अध्यक्षीय उद्बोधन

भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

15–16 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा

लक्ष्य अंत्योदय
प्रण अंत्योदय
पथ अंत्योदय

लक्ष्य अंत्योदय
प्रण अंत्योदय
पथ अंत्योदय

अध्यक्षीय उद्‌बोधन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

15–16 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा

भारतीय जनता पार्टी
11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001

प्रकाशकीय

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 15 एवं 16 अप्रैल 2017 को भुवनेश्वर (ओडिशा) में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने प्रेरक अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए जहां हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी को मिली जीत पर प्रतिनिधियों को बधाई दी, वहीं संगठन को और सशक्त बनाने एवं आगामी चुनावों में पार्टी की जीत को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। श्री शाह ने कहा कि लोग कहते हैं कि यह भाजपा का स्वर्णिम समय है पर मैं कहता हूं कि स्वर्णिम समय तब आएगा जब केरल, बंगाल और ओडिशा आदि राज्यों में भाजपा की सरकार होगी। अब जब हमें लगातार विजय मिल रही है तब हमारे अंदर आलस्य का निर्माण न होने पाए, बल्कि विस्तार की प्यास हमें परिश्रम की पराकाष्ठा की प्रेरणा दे।

हम अपने सुधी पाठकों के लिये माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा पदाधिकारी बैठक, कार्यकारिणी में दिये गये उद्‌घाटन एवं समापन उद्‌बोधन का मूल पाठ प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रकाशक
भारतीय जनता पार्टी
11, अशोक रोड, नई दिल्ली

अप्रैल, 2017

अनुक्रमणिका

'हमें भाजपा को निरंतर आगे बढ़ने वाली पार्टी बनाना है'
15 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा में राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के भाषण का मूल पाठ.....07

'भारतीय जनता पार्टी का स्वर्णिम युग आना अभी बाकी है'
15 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक
में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के उद्घाटन भाषण का मूल पाठ...21

'विजय को स्थायित्व देना संगठन का दायित्व'
16 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक
में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी का समारोप भाषण.....38

'हमें भाजपा को निरंतर आगे बढ़ने वाली पार्टी बनाना है'

15 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा में राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के भाषण का मूल पाठ

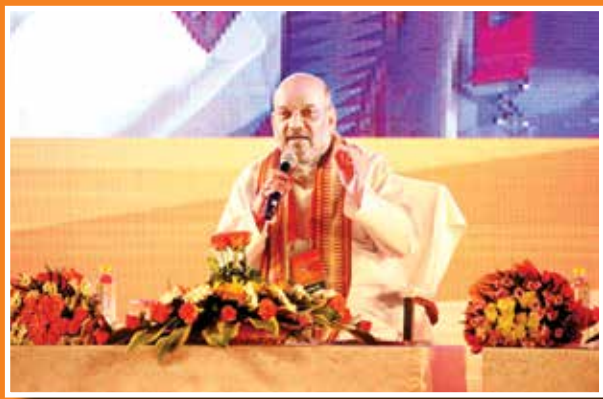

श्रीमान रामलाल जी और देश भर से आए हुए कार्यकर्त्ता भाइयो और बहनों। आज ओडिशा में जो हमारी कामकाजी बैठक हो रही है उसमें हर कार्यकारिणी की तरह आज संगठन के कामकाज की समीक्षा करने के लिए हम यहां आए हैं। कार्यकारिणी के शाम के उद्घाटन के बाद, प्रस्ताव, राजनीतिक विषय, ये सारी चीजें चर्चा में आएंगी। मगर अभी का हमारा जो समय है बैठक का, वो पूर्णतया संगठनात्मक समीक्षा के लिए है। 2014 में हमें एक ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त हुआ। मोदी जी के नेतृत्व में 30 साल के बाद किसी एक दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ और आजादी के बाद पहली बार किसी गैर कांग्रेसी दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की केन्द्र में सरकार बनी। 2014 से 2017 का

जो हमारा समय है, करीब-करीब तीन साल मई में समाप्त होगा। उसमें सरकार के साथ-साथ संगठन के मोर्चे पर भी भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ी। इसके लिए देशभर के कार्यकर्ताओं ने अहर्निश काम किया, अविराम काम किया स्वाभाविक रूप से आप सब मुख्य जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। संगठनात्मक गतिविधियों का नेतृत्व अपने-अपने क्षेत्र में आपने किया है और बहुत बखूबी किया। इसके लिए जितनी भी प्रशंसा की जाए जितना भी साधुवाद दिया जाए वो सब कम है। मगर मैं यहां साधुवाद देने के लिए खड़ा नहीं हूं। हमने जो चीजें तय कीं हैं, उसमें हम कहां पिछड़ गए हैं, वो कहने के लिए मैं खड़ा हूं।

मित्रो संगठन चलाना, सोमवार के बाद मंगलवार आता है, मंगलवार के बाद बुधवार आता है, 2017 के बाद 2018 आएगा, इस तरह से संगठन नहीं चलाना है, यह ऐतिहासिक समय पर जब संगठन चलाने की जिम्मेदारी है तब हमें इस तरह से संगठन चलाना चाहिए कि संगठन चलाने के लिए मुझे जो ऐतिहासिक समय मिला है वो मेरे लिए स्वर्णिम समय होगा। इतनी उत्सुकता के साथ हमें संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए, ऐसा भाव निरंतर हमारे मन में होना चाहिए और उस भाव के साथ और उस लगन के साथ हम अगर काम नहीं करते हैं तो गति मंथर हो जाएगी। और मैं मानता हूं कि इस समय अगर हम लोगों की गति मंथर होगी तो हमारे पीछे जिन लोगों ने पार्टी के लिए पूरा जीवन समर्पित किया वो लोग हमें कभी माफ नहीं करेंगे। एक बड़े कठिन समय से लेकर आज तक अनेकानेक बलिदान देकर, त्याग तपस्या से संगठन यहां तक पहुंचा है। हजारों नामी-अनामी कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन का बलिदान देकर, पूरा समय समर्पित करके पार्टी को यहां तक पहुंचाया है। कई लोगों ने पूरा जीवन समर्पित कर दिया, कई लोगों ने

एक बड़े कठिन समय से लेकर आज तक अनेकानेक बलिदान देकर, त्याग तपस्या से संगठन यहां तक पहुंचा है। हजारों नामी–अनामी कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन का बलिदान देकर, पूरा समय समर्पित करके पार्टी को यहां तक पहुंचाया है।

जान दे दी है, तब जाकर हमारी पार्टी और हमारा विचार यहां तक पहुंचा है। हमारी गति कोई कम नहीं है मगर एक ऐसा मौका आया है कि पूरे देश की जनता भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ी है। पूरे देश की जनता भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में श्रद्धा रखती है। पूरा देश भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ने के लिए तैयार है। ये उफान है तो उस उफान का दायित्व लेना है। जैसे दरिया में ज्वार भाटा आता है, हम वैसी पार्टी चाहते हैं। हमेशा निरंतर आगे बढ़ने वाली पार्टी चाहते हैं। इतने लोकप्रिय नेतृत्व में हमें जो मौका उपलब्ध हुआ है, उसमें संगठन को स्थायित्व देने, पार्टी का परमानेंट इंफ्रास्ट्रकचर खड़ा करने, जनमानस में परमानेंट स्वीकृति पैदा करने में अगर हम समय गवां देते हैं, तो हम कुछ नहीं कर पायेंगे। चुनाव में हार और जीत छोटी बात है। कई राज्यों में चुनाव में जीते हैं और कई राज्यों में चुनाव में हारें हैं। मगर जिस राज्य में हमारी संगठनात्मक नींव गड़ गयी भारतीय जनता पार्टी कभी वहां से वापस नहीं हुई।

हमारा दायित्व है कि हमारे संगठन को पूरे देश में, कश्मीर से कन्याकुमारी और कामरूप से लेकर कच्छ तक, पूरे देश में हर बूथ में स्वीकृत संगठन बनाएं और एक लंबे समय तक पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक विजय हासिल करने की रणनीति बनाएं।

हमारा दायित्व है कि हमारे संगठन को पूरे देश में, कश्मीर से कन्याकुमारी और कामरूप से लेकर कच्छ तक, पूरे देश में हर बूथ में स्वीकृत संगठन बनाएं और एक लंबे समय तक पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक विजय हासिल करने की रणनीति बनाएं। इस देश पर 35-40 साल तक कांग्रेस ने पंचायत से पार्लियामेंट तक शासन किया। मैं बताना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी को इतना समय मिल जाए हमारे पुरुषार्थ के कारण तो मेरे मन में कहीं भी संशय नहीं है कि भारत माता का चित्र पूरे देश में दैदीप्यमान सूर्य की तरह चमकेगा। मगर उसके लिए हमें अपने कार्य को स्थायित्व देना पड़ेगा और 2014 से 2019 की शुरुआत हुई इसमें कई सारे प्रकल्प, कई सारी कार्ययोजना बनाकर हम लोगों के बीच में

जाएंगे। मगर थोड़ी निराशा है, यह मेरी भी जिम्मेदारी है क्योंकि मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष हूं इसलिए यह आशा मैं करता हूं और मानता हूं कि हम अकेले में इसका मूल्यांकन करेंगे तो हमें पता चलेगा कि हमें जितना करना चाहिए उतना हमने किया नहीं। इसके लिए बहुत सारे तर्क हो सकते हैं, चुनाव आ गया, प्रधानमंत्री जी का प्रवास आ जाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रवास आ जाता है, स्थानीय निकाय के चुनाव आ जाते हैं, उपचुनाव आ जाते हैं। बहुत सारी सरकार यहां शासन में नहीं है इसलिए हम चुनाव हार जाते हैं, मैं आपको कहना चाहता हूं कि यहां इस हॉल में जितने कार्यकर्ता बैठे हैं, हम सब लोगों की सर्वोच्च प्राथमिकता भारतीय जनता पार्टी के संगठन को आगे बढ़ाना है। बहुत सारी चीजें हैं मैं पूरी बात यहां करना नहीं चाहता। तीन महीने बाद जब मिलेंगे तब आधी बात कहूंगा। हमने 87 चीजें शुरुआत की थीं उसमें 65 चीजें ऐसी हैं जिसकी शुरुआत ही नहीं हुई है या फिर देरी से शुरु हुआ है या फिर उसको आधा में छोड़ दिया है। 30 चीजें मैं निकाल कर लाया हूं और ये तीसों चीजों के बारे में जब हम अगली बार मिलेंगे तो बैठकर इसी बात का आकलन करेंगे कि इन तीस चीजों का लक्ष्य तय करेंगे। मेरा कार्यकाल 2019 तक है आपका पिंड नहीं छूटने वाला है। अभी एनडीए की बैठक हुई थी उसमें मैंने एक उदाहरण दिया था जब मैं पढ़ाई करता था तब मैं एनसीसी में जाता था और मैं बचपन से क्लीन सेव नहीं करता हूं। उस समय भी नहीं करता था, तब मेरी सजा होती थी कॉलेज का चार राउंड लगाने का। हाथ में रायफल पकड़कर हाथ ऊपर उठाकर, तब मैं परेड के पौना घंटा पहले आ जाता था और चार राउंड लगा देता था। उस समय मिस्टर ग्रीन हमारे अधिकारी हुआ करते थे। उन्होंने कहा भाई तुमने स्वयं इस सजा को आमंत्रित किया है, क्लीन सेव करते नहीं हो और रोज राउंड लगाने हैं तो मुंह लटकाकर क्यों लगाते हो? लगाना ही है तो हंसते

यहां इस हॉल में जितने कार्यकर्ता बैठे हैं, हम सब लोगों की सर्वोच्च प्राथमिकता भारतीय जनता पार्टी के संगठन को आगे बढ़ाना है।

हुए लगाओ, वर्जिस भी हो जाएगी और मन भी प्रफुल्लित हो जाएगा। मैं आपको भी कहना चाहता हूं कि जो दायित्व आप लोगों को मिला उसे पूरा करना ही है इसलिए आप लोग हंसते हुए करो, तो अच्छा परिणाम मिलेगा।

जो तीस चीजें मैं निकालकर रखा हूं उसको मैं आपको सुनाता हूं। सबसे पहला चीज है कोर ग्रुप। कोर ग्रुप की बैठक होना नितांत जरूरी है। भारतीय जनता पार्टी के संगठन में सामूहिक नेतृत्व और सामूहिक फैसले केवल बौद्धिक का विषय नहीं होना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के दो कार्यकर्ता, एक कन्याकुमारी से स्टेटमेंट दे और एक कश्मीर से दे तो इसमें किसी भी प्रकार का विरोधाभास नहीं होना चाहिए, इसलिए दोनों कार्यकर्ताओं को आपस में बातचीत करके ही ऐसे बयान जारी करने चाहिए। और यह तभी संभव हो सकता है जब हम कोर ग्रुप की बैठक नियमित करते रहें। मैं किसी प्रदेश से पूछना नहीं चाहता। बैठक सार्थक होती है नहीं होती है, खुलकर चर्चा होती है नहीं होती है, इसके मिनट लिखते हैं क्या नहीं लिखते हैं, मगर उसका रिर्पोटिंग केन्द्रीय कार्यालय में नहीं होता है। मित्रो, मेरे हाथ के तीसों मुद्दे और बाकी बचे मुद्दे भी मेरे आने वाले समय में प्रवास का हिस्सा होगा, मेरा आप सबसे आग्रह है कि कोर ग्रुप को परिपत्र के हिसाब से, परिपत्र की भावना के हिसाब से अपने क्षेत्रों में लागू करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के दो कार्यकर्ता, एक कन्याकुमारी से स्टेटमेंट दे और एक कश्मीर से दे तो इसमें किसी भी प्रकार का विरोधाभास नहीं होना चाहिए, इसलिए दोनों कार्यकर्ताओं को आपस में बातचीत करके ही ऐसे बयान जारी करने चाहिए।

दूसरा, कार्यकारिणी की बैठकें है; बहुत अच्छा परिणाम मिला है। 90 दिन में कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश जिला और मंडल स्तर पर हो रही हैं। मगर हमने एक फॉर्मेट में इसका रिर्पोटिंग भेजने का तय किया था कि राष्ट्रीय कार्यालय को एक फॉर्मेट में इसका रिपोर्ट भेजा जाए, कितने प्रदेशों ने भेजा है, यहां कोई हाथ खड़ा कर सकता है क्या? बहुत कम जगह से इसकी रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्यालय पर आती है। बैठकें अच्छी हो रही है, इस

पर हमें कोई टिप्पणी नहीं करनी है, बैठकों की गुणवत्ता को भी ठीक करने में आगे काम करेंगे मगर संकल्प दृढ़ होना चाहिए।

तीसरी बात, प्रवास, जो महासचिवों का प्रवास, हमारे यहां कई साल तक एक ही महासचिव तथा एक ही संगठन मंत्री एक प्रदेश को देखता था। उस समय प्रदेश को देखने का नजरिया एक ही होता था। नेतृत्व के बारे में, संगठन के बारे में कामकाज के बारे में। इस चक्रीय प्रवास की व्यवस्था इसलिए की है कि अलग-अलग चार दृष्टिकोण से प्रदेश को देखकर जो सुधार करना है वो किया जाए। इस चक्रीय प्रवास का आयोजन भी कुछ राज्यों में ढंग से नहीं हो रहा है। मेरा आग्रह है कि राज्य के अध्यक्ष और महामंत्री संगठन पकड़कर खींचकर ले जाए। ये प्रवास संगठन के सुधार के लिए बहुत जरूरी है।

हमारे यहां कई साल तक एक ही महासचिव तथा एक ही संगठन मंत्री एक प्रदेश को देखता था। उस समय प्रदेश को देखने का नजरिया एक ही होता था। नेतृत्व के बारे में, संगठन के बारे में कामकाज के बारे में। इस चक्रीय प्रवास की व्यवस्था इसलिए की है कि अलग-अलग चार दृष्टिकोण से प्रदेश को देखकर जो सुधार करना है वो किया जाए।

चौथा, प्रकोष्ठ है। 12 प्रकोष्ठ यहां से तय करके आप लोगों को भेज दिया गया है, उसकी सूची अभी आयी नहीं है। एक बूथ इकाई को जिंदा रखने के लिए छह कार्यक्रम हमने प्रारंभ किया। एक साल में छह कार्यक्रमों बूथ पर नीचे तक उसकी व्यवस्था सुचारू रूप से बड़ी मात्रा में राज्यों में होना चाहिए और मैं उसकी पूछ-ताछ करने के बाद यह सब कह रहा हूं। जहां जाने के बाद बूथ के छह कार्यक्रमों के लिए निष्ठावान कार्यकर्ताओं की टोली बने बूथ तक के कार्यक्रम नीचे तक जाएं यह बहुत जरूरी है अगर बूथ इकाई सिर्फ चुनाव के वक्त ही काम करेगी तो परिणाम 20 प्रतिशत ही मिलेगा। बूथ इकाई पूरा साल काम करने लगेगी तो चुनाव के वक्त उसको पुनर्जीवित करने के लिए उसको कुछ भी नहीं करना पड़ेगा।

मित्रो, भारतीय जनता पार्टी के चुनाव के विजय के अंदर 80 प्रतिशत

योगदान बूथ इकाई का होता है। बूथ इकाई के छह कार्यक्रम साल में करने हैं, इसको ठीक से किया जाए। छठवीं बात है सदस्यता की सूची जो हमने सदस्यता की थी उसको बूथवाइज करने के लिए बहुत सारी तकनीकी दिक्कतें हैं। मैं मानता हूं मगर फिर भी इसको करना है तो कुछ राज्यों में अच्छे से करना है, सब राज्यों में उसकी कम से कम एक टोली बनाकर रखें। मेरा कब प्रवास रहेगा आपके राज्य में यह भी तय होगा। बाद में विभाग और प्रकल्प, जो विभागों और प्रकल्पों की रचना की है और सोच समझकर की है। पार्टी के ढांचा को ठीक करना, पार्टी के कार्य में स्थायित्व इसके बिना नहीं आ सकता और दूसरा देश से लेकर जिले तक पार्टी एक समान स्वरूप के विभागों में कार्य करेगी यह बहुत जरूरी है। मैंने अपने प्रवास में तीन घंटे प्रकल्प और विभाग के लिए दिए हैं। मेरा आग्रह है कि इसके पहले आप स्वयं इसका बैठक लेकर इस पर काम करिए तो जब मैं आऊंगा तो मुझे अच्छा समाचार सुनने को मिलेगा, मुझे ज्यादा कटु बात कहने का मौका नहीं दीजिए। यह मेरा आप सबसे निवेदन है। दूसरा कार्यालय निर्माण पीयूष भाई यहां बैठे हैं। उनकी शिकायत है कि वो पैसे भेजना चाहते हैं लेकिन कोई लेना नहीं चाहता। कार्यालय की भूमि के लिए जहां-जहां अभी भी बाकी है तत्काल उसका काम समाप्त कर दिया जाए। जहां उत्तर प्रदेश और बिहार ऐसे राज्यों में अच्छा काम हुआ है वहां पर कार्यवाही के लिए इसी कार्यकारिणी में चर्चा करके ठोस कदम उठाने का प्रयास करें।

विभागों और प्रकल्पों की रचना की है और सोच समझकर की है। पार्टी के ढांचा को ठीक करना, पार्टी के कार्य में स्थायित्व इसके बिना नहीं आ सकता और दूसरा देश से लेकर जिले तक पार्टी एक समान स्वरूप के विभागों में कार्य करेगी यह बहुत जरूरी है।

दीनदयाल जन्मशती समाप्त होने से पहले सभी कार्यालयों के निर्माता को इस कदम में त्वरित कदम उठाने की जरूरत है, कार्यालय बाद में बनते रहेंगे मगर कार्य प्रारंभ तो करिए और एक काम ऐसा है जिसको निश्चित रूप से संगठन मंत्री को ध्यान देकर कार्य करना चाहिए। हर सप्ताह हर महीने

संगठन मंत्री एक घंटा भवन निर्माण के लिए दें वह बहुत जरूरी है। मेरा आग्रह है और नाराजगी भी है संगठन मंत्रियों के प्रति की एक घंटा सप्ताह में आप निकालेंगे तभी जाकर कार्यालय निर्माण संभव हो पाएगा।

प्रकाशन के लिए मैंने खूब मेहनत की है। रामलाल जी ने भी चार-पांच बार बैठक की है, मगर प्रकाशन करते वक्त जिस प्रारूप की अपेक्षा है उसे बदलने की आवश्यकता है। पार्टी के मुखपत्र के अंदर से, पार्टी के प्रकाशन के अंदर से पार्टी के कार्यकर्ताओं को विचार की संजीवनी मिलती रहनी चाहिए। सिर्फ वो नेताओं के फोटो छापने का साधन नहीं है, सरकारी कामकाज छापने का साधन नहीं होना चाहिए, उसको सही अनुपात में सब करना है। मगर अपने विचार का अपने संगठन को मजबूत करने में उसका उपयोग हो। मैं ज्यादा इसमें नहीं कहना चाहता क्योंकि प्रकाशन का काम देखने वाले लोग यहां पर मौजूद हैं।

पार्टी के मुखपत्र के अंदर से, पार्टी के प्रकाशन के अंदर से पार्टी के कार्यकर्ताओं को विचार की संजीवनी मिलती रहनी चाहिए। सिर्फ वो नेताओं के फोटो छापने का साधन नहीं है, सरकारी कामकाज छापने का साधन नहीं होना चाहिए, सही उसको अनुपात में सब करना है।

हमने एक पहल की थी कि जिला स्तर पर सिर्फ एक ही अकाउंट होगा। प्रदेश स्तर पर एक ही बैंक अकाउंट होगा और बंद किए हुए खातों की रिपोर्ट केन्द्रीय कार्यालय पर भेजना है, लेकिन एक भी जगह से रिपोर्ट नहीं आयी है इसलिए मैं मानता हूं कि खाते बंद नहीं हुए हैं, हो गए होंगे तो आपको इसकी रिपोर्ट भेजनी चाहिए। मित्रो, भारतीय जनता पार्टी जैसा संगठन अगर पार्टी के फंड की शुचिता के बारे में चिंता ना करे तो हम देश की राजनीति को दिशा नहीं दे सकते हैं। हमारा दायित्व है कि हर जगह पर एक ही खाता होना चाहिए। हर प्रदेश में एक ही खाता होना चाहिए, क्यों दूसरा खाता हो, और इसकी सूचना केन्द्रीय कार्यालय में पहुंचनी चाहिए। मैं मानता हूं कि ये कोई ऐसा कार्य नहीं है जिस पर बहुत परिश्रम करने की आवश्यकता है।

युवा लोग शोध कर सकते हैं विषय वस्तु को ठीक से रख सकते हैं, जो

पार्टी का स्वभाव है उन चीजों पर गहन शोध कर सकते हैं, ऐसे लोगों को डिबेट करने के लिए तैयार करने की बात विगत पांच कार्यकारिणी में किया जा चुका है। मगर एक भी नाम राज्य से केन्द्र तक नहीं आया। ऐसे लोगों को ढूंढिए जो डिबेट में पार्टी का पक्ष रखे वह भले नया चेहरा हो उनको मौका दीजिए। अगर यह कार्य हो जाता है तो मैं मानता हूं कि इससे कार्यकर्ता आगे भी बढ़ेंगे और हमारा पक्ष जनता के सामने मजबूती से उभरेगा भी।

मित्रो, नरेन्द्र मोदी एप एक लाख लोगों को डाउनलोड कराने का हमने लक्ष्य रखा था। बहुत कम जिलों में इस पर कार्य प्रारंभ हुआ है। मेरा आग्रह है कि इस कार्य को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

नरेन्द्र मोदी एप एक लाख लोगों को डाउनलोड कराने का हमने लक्ष्य रखा था। बहुत कम जिलों में इस पर कार्य प्रारंभ हुआ है। मेरा आग्रह है कि इस कार्य को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

अगला विषय पुस्तकालय है, इसमें भी प्रदेश कार्यालय तक भी अभी सफलता नहीं मिली है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश समेत कुछ राज्यों ने किया है। अन्य प्रदेशों को भी इस विषय को गंभीरता से लेना होगा, और इसके लिए आप लोगों को दो घंटा निकालना पड़ेगा। इसमें जो आर्थिक समस्या आएगी उसकी चिंता आपको नहीं करनी है। कार्यालय का आधुनिकीकरण का प्रस्ताव भी हमें दो ही प्रदेशों से मिला है। कार्यालय का आधुनिकीकरण का लक्ष्य हमारे पास है और जिले का भी हमारे पास है। मगर प्रदेश कार्यालय में भी दो ही लोगों का प्रस्ताव आया है।

मित्रो, मैं जब देखता हूं तो हम सब कैडरबेस पार्टी कहे जाने का मतलब क्या है यह समझ में नहीं आता है, कहीं हम कांग्रेस की दिशा में तो नहीं जा रहे हैं? चुनाव जीतने की मशीन तो नहीं बनते जा रहे हैं? सरकार के अच्छे कार्यों को हम ठीक से प्रचारित करने में असमर्थ तो नहीं होते जा रहे हैं? यह हमारा मूल दायित्व है, यह हमारी जिम्मेदारी है इसको कैसे भूल सकते हैं हम लोग। भारतीय जनता पार्टी का इतिहास हर प्रदेश में जनसंघ से लेकर आज तक जितने भी कार्यक्रम हुए हैं, उन सभी को एकत्रित करके

कार्यकर्ताओं से पत्राचार करके इकट्ठा करने की आवश्यकता है। इसमें भी कई प्रदेशों का कार्य संतोषजनक नहीं है।

अगला है 21 जून योग दिवस, पहले वर्ष तो काफी उत्साह था लेकिन दूसरे साल हम इसे बाबा रामदेव जी के जिम्मे छोड़ दिए, ऐसा नहीं होगा। मित्रो, इसे हम लोगों को पकड़कर रखना पड़ेगा, लोगों के मन में इस चीज को हमें बसा देना चाहिए, क्योंकि जब भी देश का इतिहास लिखा जाए तो बाबा रामदेव और श्रीश्री रविशंकर का नाम ना आए बल्कि भारतीय जनता पार्टी का नाम आए और नरेन्द्र मोदी का नाम आए। इन्हीं तत्परता के साथ हम लोगों को इस कार्य में लगना चाहिए।

दूसरा विषय है पूर्णकालिक का जो प्लानिंग किया है, शिवप्रकाश जी ने बहुत विस्तृत बात की, मगर यह एक ऐसी गाड़ी है जो अकेले के दम पर नहीं चलेगी। शिवप्रकाश जी अकेले क्या करेंगे जोर लगा-लगाकर थक जाएंगे। और जो पूर्णकालिक हैं उनके हर समय का सही सदुपयोग होना चाहिए। उनको पार्टी की व्यवस्था के साथ जोड़िए और सारी चीजों में पूर्णकालिकों का उपयोग होना चाहिए। अगर हम पूर्णकालिकों को काम नहीं दे पाए तो हमको लगता है कि यह हमारा ही नुकसान होगा।

पूर्णकालिक का जो प्लानिंग किया है, शिवप्रकाश जी ने बहुत विस्तृत बात की, मगर यह एक ऐसी गाड़ी है जो अकेले के दम पर नहीं चलेगी। शिवप्रकाश जी अकेले क्या करेंगे जोर लगा लगाकर थक जाएंगे। और जो पूर्णकालिक हैं उनके हर समय का सही सदुपयोग होना चाहिए।

मित्रो, मेरा आग्रह है कि इस हॉल में जितने लोग भी बैठे हैं आप लोगों को भी पार्टी की योजना से 15 दिन के लिए जुड़े तथा पार्टी के विस्तार के लिए अपना समय दें। मैं अभी आने वाले समय में पार्टी के कार्यों से अलग-अलग प्रवास करने वाला हूं और इन विषयों पर चर्चा करने वाला हूं। इसमें बूथ की बैठक करुंगा, बूथ सम्मेलन करुंगा और भी बहुत कार्यक्रम जो पार्टी ने तय की है, उसको करूंगा।

अगला प्रशिक्षण की बात है उसको कार्यकर्ता प्रशिक्षण तक सीमित न

रखें। सभी कार्यालय प्रमुखों का प्रशिक्षण, सभी मंत्रियों का प्रशिक्षण, सभी एमपी के पीए का प्रशिक्षण, सभी एमएलए के पीए का प्रशिक्षण, सभी मोर्चों का प्रशिक्षण, प्रशिक्षण के एक भी आयाम को हमें छोड़ना नहीं चाहिए।

दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष के संदर्भ में कई सारे पत्र आते हैं मैं सारे पत्रों को पढ़ता हूं, आप लोगों को असंभव लगेगा लेकिन यह सच है कि मैं अपने कार्यालय में आए सभी पत्र पढ़ता हूं। रात को दो बज जाए तो भी पढ़ता हूं और आप मानकर चलिएगा कि मैं जब कहता हूं कि पढ़ता हूं तो पढ़ता हूं। कहीं पर भी दो या तीन प्रतिशत छोड़कर दीनदयाल जन्म शताब्दी का 'लोगो' तक हमें देखने को नहीं मिला। यह बहुत बड़ा कार्य है। क्या हमारे लेटर हेड छप चुके हैं। उस पर स्टीकर लगाना है, बस दीनदयाल जन्म शताब्दी का स्टीकर लगाना है। मैं पार्टी अध्यक्ष होने के नाते कहता हूं, क्योंकि यह बंद कमरे की बैठक है कि जब दीनदयाल जी की आत्मा देखती होगी तब उनको पश्चाताप होता होगा। इतने बड़े व्यक्ति की जन्मशती और हमारे विचार की अवधारणा को जिसने सतह दिया उस व्यक्ति की जन्मशती को कितना हल्के से ले रहे हैं। मैंने सभी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है कि जिला से लेकर तहसील तक के हर लैटर हेड पर दीनदयाल जन्मशती का स्टीकर अवश्य होना चाहिए। चूंकि राज्य सरकारें इस कार्यक्रम को विस्तृत रूप से मना रहीं हैं तो राज्य सरकारों को स्वतः यह अधिकार मिल जाता है। दीनदयाल जी के जन्मशती पर हम लोगों ने यह तय किया था कि हर प्रदेश में दीनदयाल जी की जीवनी की पांच हजार पुस्तकें भेजी जाएंगी, लेकिन हरियाणा को छोड़कर किसी राज्य ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

मैंने सभी मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है कि जिला से लेकर तहसील तक के हर लैटर हेड पर दीनदयाल जन्म शती का स्टीकर अवश्य होना चाहिए। चूंकि राज्य सरकारें इस कार्यक्रम को विस्तृत रूप से मना रहीं हैं तो राज्य सरकारों को स्वतः यह अधिकार मिल जाता है।

मगर आप एक बार दो लाख पुस्तकों को भारत भर में भेज देंगे तो उससे

लाखों कार्यकर्ता अपने आप जुड़ जाएंगे। ऐसे भी छोड़ दीजिए, पार्टी का विस्तार, दीनदयाल जी ने जिस प्रकार का जीवन जिया है, जिस प्रकार से अपने प्राण की आहुति दी है, उनका अधिकार है हम पर, उनका अधिकार है इस पार्टी पर, इस चीज पर कोई संशय नहीं हैं। सारे प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष यह तय करें कि अपने-अपने प्रदेश के अंदर अगर आप विपक्ष में हैं तो भी कर सकते हैं, आप पत्र लिखिए मुख्यमंत्री को, हमें प्रयास करना चाहिए, जहां हम सत्ता में हैं वहां तो कोई बहाना नहीं चलेगा।

सभी राज्यों को बाइक इश्यू किए जाएंगे, उस बारे में बाद में विस्तार से चर्चा की जाएगी, हर विधान सभा को एक-एक बाइक इश्यू किया जाएगा। उसके रख-रखाव और पूर्ण कालिक को हैंड ओवर किया जाएगा। बाकी उसको जिला अध्यक्ष चलाने लगे, जिला महामंत्री चलाने लगे, संगठन मंत्री चलाने लगे, इस तरह से नहीं करना है। एक-एक विधान सभा के लिए पूर्णकालिक निकलेगा, यह बाइक उसी के लिए है, इसका विवरण बाद में आपको दिया जाएगा।

दीनदयाल जी ने जिस प्रकार का जीवन जिया है, जिस प्रकार से अपने प्राण की आहुति दी है, उनका अधिकार है हम पर, उनका अधिकार है इस पार्टी पर, इस चीज पर कोई संशय नहीं हैं। सारे प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष यह तय करें कि अपने-अपने प्रदेश के अंदर अगर आप विपक्ष में हैं तो भी कर सकते हैं।

120 लोक सभा को चिन्हित किया गया है। जब मैं आऊंगा तब इसके लिए विस्तार में बातचीत होगी। मगर उसके पहले जो तीन चार कार्यकर्ता निकले हैं उसका प्रवास होगा। 130 विधान सभा जिस प्रदेश में जिसकी संख्या जितनी होगी उसका पूरा ब्यौरा तैयार करना है। उसके चुनाव परिणाम का डाटा, उसके संगठनात्मक स्थिति का डाटा, कांग्रेस का डाटा, एनजीओ कितने हैं, आरटीआई कार्यकर्ता कितने हैं, ये सारी सूचनाएं हम लोगों को एकत्र करनी होगी। उसको प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री को स्वयं एक-एक सीट के लिए तैयार करना होगा। 120 सीटें ऐसी है जो हमारे पास नहीं है।

मित्रो, चंदे में भी पारदर्शिता का भी एक विषय है। इसको मैं इतना ही

संज्ञान में डाल दे रहा हूं कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा बनाया गया कानून 2000 रुपए से ज्यादा किसी से भी कोई भी कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेगा और कहीं गड़बड़ी से कोई गलती करे, पार्टी को सहन करना पड़े, ऐसी स्थिति ना आए। कोष के साथ जुड़े व्यक्ति का प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री का स्वयं बैठक करनी है और 2000 से ज्यादा चंदा पार्टी के खाते में न जाए, हमें इसकी चिंता करनी है।

मित्रो, अभी मैं जो तीस बिंदु आप लोगों को बताया हूं वह और इसके अलावा 32 बिंदु और हैं, 62 बिंदुओं को लेकर हमें आगे बढ़ना होगा। मेरा आप सबसे निवेदन है कि आप ठीक से इसकी तैयारी करें। मैं 95 दिन, हर राज्य के अंदर 95 रात्रि निवास करने वाला हूं। आप कल्पना करिए कि कितना तेज दौरा होगा। मैं खुद ही इस कार्यक्रम को तैयार कराया हूं। कोई भी कार्यक्रम 17 घंटे से कम नहीं है, बल्कि अधिक ही होगा कम नहीं होगा और इतना परिश्रम करने के बाद अगर इसकी तैयारी ठीक नहीं हो, मुझे दस हजार लोग स्वागत में आए, ऐसा नहीं चाहिए मुझे जो बैठक करनी है वो बैठक पहले ही प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्रियों को पहले ही करके तैयारी कर लेनी चाहिए। अगर मुझे सीधे रिपोर्ट दें तो यह ज्यादा आनंद का विषय है। मैं बैठक लेने के लिए भी तैयार हूं और ऐसा मत मानिएगा कि यह दौरा समाप्त होने के बाद आपका पिंड छूट जाएगा, मैं आपको आराम करने नहीं दूंगा। मैं फिर से आऊंगा, यह सब करना ही है और करना ही पड़ेगा। मेरा जो अध्यक्षीय प्रवास है वो सभी लोग गंभीरता से लें ऐसा मेरा आपसे आग्रह है। इसमें व्यक्तिगत कुछ नहीं होना है। यह केवल संगठन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होगा और अंत में यह बहुत ज्यादा सफल होगा। 95 दिन तक 18-18 घंटे संगठन के लिए देना है। मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है अगर इसकी तैयारी आप लोग ठीक से

62 बिंदुओं को लेकर हमें आगे बढ़ना होगा। मेरा आप सबसे निवेदन है कि आप ठीक से इसकी तैयारी करें। मैं 95 दिन, हर राज्य के अंदर 95 रात्रि निवास करने वाला हूं। आप कल्पना करिए कि कितना तेज दौरा होगा।

करेंगे, तो हम लोगों को दोगुना फायदा मिलेगा और अगर ठीक नहीं करेंगे तो इसका फायदा नहीं मिलेगा। मेरा आप सभी से आग्रह है कि प्रवास की तैयारी ठीक से किया जाए। मेरा पांच राज्यों के प्रवास का भी पार्टी का आयोजन होना है। सभी सांसद, सभी विधायक, सभी प्रदेश प्रभारी तथा सभी जिला अध्यक्ष अगर 15-15 दिन देते हैं तो यह अत्यंत सफल होगा। यह बहुत बड़ी संख्या होगी।

राज्य के मुख्यमंत्रियों का भी सम्मेलन हुआ था, राज्य सभा के सांसदों का भी सम्मेलन हो रहा है जिसमें ये लोग भी शामिल होंगें। मित्रो, मेरे 30 बिंदु समाप्त हो गए। बहुत मन से इन चीजों को लेकर चलना होगा और मेरी आप सबसे अपेक्षा है मित्रो, आप भी पूरी तन्मयता के साथ पूरे मनोयोग के साथ इस संकल्प को पूरा करने में लगिए। मैं फिर से कहता हूं कि चुनावी सफलता मिलना कई बार सफल होता है मगर संगठन को सुदृढ़ करना बहुत कठिन होता है और यह समय है कि जब चुनावी सफलता मिलती है लोग हमसे जुड़े हैं तब संगठन को हम सुदृढ़ कर दें, एक मजबूत नींव ऐसे डालें ताकि 100 साल तक भारतीय जनता पार्टी को उस नींव पर बहुत बड़ी इमारत बनाने का मौका मिले। मित्रो, यह समय है कि हम सबको मिलकर अपने पुरुषार्थ से मेहनत करना है और सभी को पुरुषार्थ की पराकाष्ठा को तय करना है मित्रो, इससे अच्छा समय नहीं आएगा।

मेरा आप सभी से आग्रह है कि प्रवास की तैयारी ठीक से किया जाए। मेरा पांच राज्यों के प्रवास का भी पार्टी का आयोजन होना है। सभी सांसद, सभी विधायक, सभी प्रदेश प्रभारी तथा सभी जिला अध्यक्षों अगर 15-15 दिन देते हैं तो यह अत्यंत सफल होगा। यह बहुत बड़ी संख्या होगी।

एक बार आप सभी लोगों को फिर से विनम्र निवेदन कि आप लोग पुनः फिर इस कार्य में लगिए। 30 बिंदुओं का विश्लेषण होगा और अगला 32 बिंदु आपको बता दिया जाएगा। इन बिंदुओं को तीन महीने तक अपने संगठन का आधार मानकर नीचे तक ले जाएं इसी विनम्र अनुरोध के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं, वंदे मातरम।

❑❑❑

'भारतीय जनता पार्टी का स्वर्णिम युग आना अभी बाकी है'

15 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के उद्घाटन भाषण का मूल पाठ

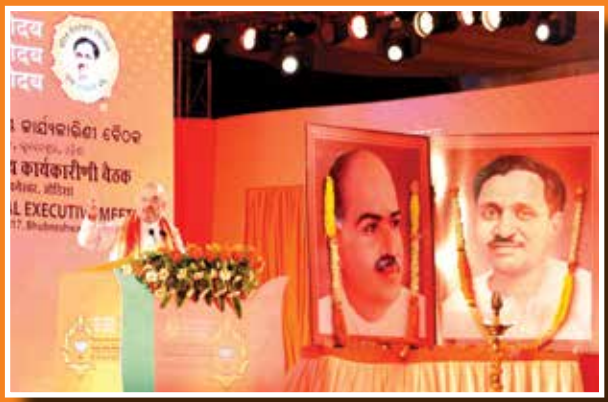

आज की भुवनेश्वर कार्यकारिणी में मंच पर उपस्थित परम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, श्रद्धेय आडवाणी जी, श्रीमान अरुण जेटली जी, आज इस पंडाल में बैठे हुए भारतीय जनता पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्वगण भाईयों एवं बहनों! आज महाप्रभु जगन्नाथ की भूमि पर हम सब एकत्रित हुए हैं। इसके पहले जनवरी में जो कार्यकारिणी हुई थी उसके और इस भुवनेश्वर कार्यकारिणी के बीच में बहुत बड़ा अंतर देश की राजनीति में भी आया है और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के उत्साह में भी आया है, क्योंकि इन दो कार्यकारिणियों के बीच में पांच राज्यों के चुनाव हुए, और पांच राज्यों में से चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को अप्रत्याशित सफलता मिली है। एक अभूतपूर्व जनादेश की प्राप्ति भारतीय जनता पार्टी

के कार्यकर्ताओं को हुई है। उसका कारण है, मोदी जी का लोकप्रिय नेतृत्व। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जो सरकार भाजपा की चल रही है उसकी गरीब कल्याण की नीतियां और हमारे करोड़ों कार्यकर्ताओं का, लक्षावधि कार्यकर्ताओं का अलग–अलग प्रांत में जो परिश्रम हुआ इसके परिणाम स्वरूप हम इस विजयश्री को प्राप्त कर सके।

मित्रो, यह जो विजय मिली है उसने कई प्रकार से चुनावी सर्वेक्षण के कई आकलनों का उलटफेर कर दिया है। अब तक कहा जाता था बड़ी विजय की व्याख्या करनी है दो–तिहाई बहुमत से जीतेंगे, ऐसा कहते थे। अब कहना पड़ेगा तीन–चौथाई बहुमत से जीतेंगे जो भारतीय जनता पार्टी को विजय प्राप्त हुई। इस विजय के बाद मैं केवल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में, देशभर के राजनीतिक विश्लेषकों में और चुनाव आंकड़ों के जो पंडित होते हैं उनमें एक बात स्पष्टता से उभर कर आई है कि श्रीमान मोदी जी आजादी के बाद से सबसे लोकप्रिय नेता बनकर भारत के अंदर उभरे हैं।

नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जो सरकार भाजपा की चल रही है उसकी गरीब कल्याण की नीतियां और हमारे करोड़ों कार्यकर्ताओं का, लक्षावधि कार्यकर्ताओं का अलग–अलग प्रांत में जो परिश्रम हुआ इसके परिणाम स्वरूप हम इस विजयश्री को प्राप्त कर सके।

मित्रो, मैं आप सभी से निवेदन करना चाहता हूं कि मोदी जी के नेतृत्व में हमने जो विजय प्राप्त की है उसकी अभिव्यक्ति के लिए हम सभी अपने–अपने स्थान पर खड़े होकर हमारे नेतृत्व का स्वागत करें, अभिनन्दन करें और उनके नेतृत्व में ये पार्टी की विजय यात्रा बहुत लम्बे समय तक चलती रहे ऐसा ईश्वर से प्रार्थना करें।

मित्रो, आज की इस कार्यकारिणी के माध्यम से मैं पांचों राज्यों की जनता का भी हृदय से, भारतीय जनता पार्टी की ओर से आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी को इतना बड़ा बहुमत दिया है, और उन सभी राज्यों में जिनमें हमारी सरकार बनी है उनकी जनता को भी

पार्टी की ओर से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपने जो विश्वास भारतीय जनता पार्टी पर रखा है, हमारे कार्यकर्ताओं पर रखा है, हमारे नेताओं पर रखा है, इसकी शत–प्रतिशत पूर्ति भारतीय जनता पार्टी की नई बनी हुई सरकारें करेंगी। ये चारों राज्य हमारे चारों मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में बहुत आगे बढ़ेंगे।

गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बाद संसद में जीएसटी बिल भी पारित हुआ है। एक बहुत बड़ा रिफॉर्म, टैक्स के क्षेत्र में हुआ है और मैं मानता हूं 'एक देश-एक कर' का नारा मोदी जी ने दिया है। विपक्ष के विरोध के बावजूद भी जब थोड़ा समय गया, मगर अंत में हम इसको सिद्ध कर पाएंगे। महाराष्ट्र और ओडिशा में भी एक अप्रत्याशित जीत नगर–निगम इकाई में हुई है और सबसे बड़ी बात जिस पर सबसे कम लोगों का ध्यान गया है। मित्रो, हमारी सरकार ने इस बार जो पद्म पुरस्कार बांटे हैं, उसका जनतांत्रिककरण करने की, भारतीय जनता पार्टी ने बहुत बड़ी सिद्धि प्राप्त की है। अब पद्म पुरस्कारों की सूची उठाकर देखिए ऐसे–ऐसे कंट्रीब्यूट करने वाले छोटे–छोटे लोगों को, जिन्होंने पूरा जीवन सेवा किया है, समाज के ऐसे लोगों को पद्म पुरस्कार मिले हैं जो कभी कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि पद्म पुरस्कार मिलेंगे। यह परिवर्तन का कारण है। पहले मुख्यमंत्री के माध्यम से जाना पड़ता था, मंत्रियों के माध्यम से जाना पड़ता था। अब व्यक्ति स्वयं ऑनलाईन प्रधानमंत्री जी को अपना निवेदन कर सकता है। इसकी एक वैज्ञानिक तरीके से जांच होती है और बाद में पद्म पुरस्कार तय किए जाते हैं।

गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बाद संसद में जीएसटी बिल भी पारित हुआ है। एक बहुत बड़ा रिफॉर्म, टैक्स के क्षेत्र में हुआ है और मैं मानता हूं 'एक देश–एक कर' का नारा मोदी जी ने दिया है।

मित्रो, मेरा आप सभी से आग्रह है, पद्म पुरूस्कारों की जो सूची है, इसको हम सब अपने–अपने प्रदेश में इसका ध्यान से अध्ययन करें तो मालूम पड़ेगा कि कितना बड़ा बदलाव भारतीय जनता पार्टी की सरकार

लेकर आई है।

मित्रो ये जो पांच राज्यों के चुनाव हैं उसका अगर हम विश्लेषण करते हैं तो हमें थोड़ा पीछे जाना पड़ेगा। 2014 के चुनाव में मोदी जी के नेतृत्व में एक अभूतपूर्व बहुमत मिला। तीस साल के बाद किसी दल को बहुमत मिला और आजादी के बाद पहली बार किसी गैर-कांग्रेसी दल को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मौका मिला। उसके बाद में जितने भी चुनाव हुए भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ सतत, सातत्यपूर्ण तरीके से आगे बढ़ता रहा। महाराष्ट्र में सरकार बनी, झारखण्ड में सरकार बनी, हरियाणा में सरकार बनी, जम्मू–कश्मीर में हमारे उप–मुख्यमंत्री बने, असम में सरकार बनी, अरूणाचल में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार हुई। उत्तर प्रदेश में सरकार बनी, उत्तराखण्ड में सरकार बनी, मणिपुर में सरकार बनी और गोवा में भी हम फिर से एक बार चुनकर आए। जहां–जहां चुनाव आए भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ आगे बढ़ा है। दिल्ली और बिहार के अंदर भले हम चुनाव हार गए, मगर हमारा मत प्रतिशत गिरा नहीं। हमारे जनाधार में गिरावट नहीं हुई है, उन दोनों राज्यों में भी भारतीय जनता पार्टी ने अपने जनाधार को बरकरार रखा है। सब उपचुनाव के अंदर और काफी मात्रा में जो स्थानीय निकाय चुनाव हुए केरल, बंगाल उसमें बहुत सुन्दर प्रदर्शन हुआ। केरल के अंदर हम 16 प्रतिशत के आसपास वोट पाए। बंगाल के अंदर 11 प्रतिशत के आसपास वोट पाए। गुजरात, महाराष्ट्र, अंडमान निकोबार, लेह–लद्दाख, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, ओडिशा सब जगह स्थानीय निकाय के चुनाव हुए, भारतीय जनता पार्टी को अप्रत्याशित विजय मिली है।

गुजरात, महाराष्ट्र, अंडमान निकोबार, लेह–लद्दाख, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, ओडिशा सब जगह स्थानीय निकाय के चुनाव हुए, भारतीय जनता पार्टी को अप्रत्याशित विजय मिली है।

मित्रो, हमारा विजय रथ दैनंदिन आगे बढ़ता जा रहा है। मित्रो, उत्तर

प्रदेश का चुनाव के बहुत सारे मायने हैं। तीन–चौथाई बहुमत से देश के सबसे बड़े प्रदेश में सरकार बनना कोई छोटी बात नहीं है। मित्रो, कई राजनीतिक पंडित कहते थे कि उत्तर प्रदेश में से 80 में से 73 सीट बाई डिफॉल्ट आईं हैं। अकस्मात है, मगर जब 325 विधानसभा की सीटें आईं टीका–टिप्पणी करने वालों के मुंह बंद हो गए हैं और उन्हें मालूम पड़ा है कि मोदी सरकार के काम को जनादेश मिला है। एक और भी बात कही जाती थी कि भारतीय जनता पार्टी जहां कांग्रेस से मुकाबला होता है, वहां जीतती है मगर जहां स्थानीय पार्टियों से मुकाबला होता है वहां विजय प्राप्त नहीं कर सकती। सपा, बसपा का एक क्रम चला था। 15 साल से सपा के बाद बसपा, बसपा के बाद सपा। वो क्रम को भारतीय जनता पार्टी ने तोड़ कर तीन–चौथाई बहुमत से विजय प्राप्त करके एक बहुत बड़ी विजय प्राप्त की है।

सपा, बसपा के क्रम टूटने के बाद जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का भी इसी चुनाव के परिणाम ने उत्तर प्रदेश में मृत्युदण्ड सुना दिया है और परफॉरमेंस एवं विकास की राजनीति का उदय हुआ है।

मित्रो, सपा, बसपा के क्रम टूटने के बाद जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का भी इसी चुनाव के परिणाम ने उत्तर प्रदेश में मृत्युदण्ड सुना दिया है और परफॉरमेंस एवं विकास की राजनीति का उदय हुआ है। मोदी जी के नेतृत्व में जो परफॉर्म करेगा, जो विकास के लिए काम करेगा, जो जनाकांक्षाओं पर खरा उतरेगा, वो ही जीतकर आएगा, वो ही शासन कर पाएगा, उसको आगे बढ़ाने का बहुत अच्छा मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मित्रो, आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में किसी भी सरकार को जो जनादेश मिला है, उसमें यह जनादेश सबसे बड़ा जनादेश है। इतना बड़ा जनादेश आजादी के बाद किसी भी पार्टी को उत्तर प्रदेश के अंदर, किसी को भी नहीं मिला है। उत्तराखण्ड में भी बहुत बड़ी विजय हुई है। तीन–चौथाई बहुमत से हम जीते हैं। उत्तराखंड बहुत दिनों बाद अस्थिरता से बाहर आया है। हमने एक अपील की थी उत्तराखंडवासियों को, पहाड़ के निवासियों

को कि उत्तराखंड को अटल जी ने बनाया था, मोदी जी संवारेंगे और उत्तराखंडवासियों ने उस अपील को हृदय से स्वीकार करके एक बड़ा जनादेश भारतीय जनता पार्टी को दिया है। त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी के नेतृत्व में सरकार बनी है।

मित्रो, गोवा और मणिपुर में भी सबसे ज्यादा वोट भारतीय जनता पार्टी को मिले हैं। गोवा में श्री मनोहर पर्रिकर हमारे मुख्यमंत्री बनकर गए हैं और मणिपुर में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। नार्थ–ईस्ट में राष्ट्रवादी ताकतों की विजय साफ दिखाई पड़ती है। असम, अरूणाचल के बाद में हम मणिपुर के अंदर भारतीय जनता पार्टी का विजय आने वाले दिनों का शुभ संकेत देता है।

मित्रो, स्थिति ऐसी हो गई है कि हारने के बहाने ढूंढते हैं। क्या बहाना निकाले? 325 सीटें 57 सीटों का कोई जवाब नहीं है, जो रह–रहकर भी ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने को मजबूर हो गए हैं। विपक्ष के मित्र ईवीएम पर आरोप कर रहे हैं। इनडाईरेक्टली चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। मेरा उनको इतना ही कहना है कि यूपीए-1 और यूपीए-2 का चुनाव क्या बैलेट से हुआ था? यूपीए-1 और यूपीए-2 का चुनाव भी ईवीएम से ही हुआ था और जिस सरकार को भी श्री केजरीवाल चला रहे हैं उस सरकार का चुनाव भी ईवीएम से ही हुआ था। अगर ईवीएम गलत है तो वहां कैसे जीतकर आ गए और पंजाब में अकाली दल भारतीय जनता पार्टी की हार कैसे हो गई। इस प्रकार के तर्क इसलिए गढ़े जा रहे हैं क्योंकि कोई बहाने नहीं बचे हैं।

विपक्ष के मित्र ईवीएम पर आरोप कर रहे हैं। इनडाईरेक्टली चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। मेरा उनको इतना ही कहना है कि यूपीए–1 और यूपीए–2 का चुनाव क्या बैलेट से हुआ था?

मित्रो, आज मेरा इतना ही कहना है कि हम भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता इस प्रचंड विजय के बाद यहां पर एकत्र हुए हैं। 2014 में राजनीतिक पण्डित कहते थे ये भारतीय जनता पार्टी के लिए सबसे ऊंचा मुकाम है। 2017 में भी ये कह रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी का स्वर्ण युग

आ गया है। सबसे ऊंचा मुकाम है। मैं आपसे कहना चाहता हूं, मैंने 2014 में भी कहा था। आज भी कहना चाहता हूं कि अभी सबसे ऊंचा मुकाम आना बाकी है। भारतीय जनता पार्टी को इससे आगे जाना है। हमारा स्वर्ण युग तभी आ सकता है जब केरल के अंदर, ओडिशा के अंदर, बंगाल के अंदर और नॉर्थ–ईस्ट के अंदर भी कमल खिलाकर भारतीय जनता पार्टी को कश्मीर से कन्याकुमार तक और कामरूप से कच्छ तक पूरे देश के अंदर भारतीय जनता पार्टी के विचार का और संगठन का विस्तार हो, तभी जाकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चैन की सांस लेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता इस विजय से निर्मित आलस्य में न फंसें। विजय की भूख और बढ़नी चाहिए और उसी में से प्रचण्ड पुरुषार्थ करने की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए आज हम सब भुवनेश्वर कार्यकारिणी में कृतसंकल्प हों यही मेरा आप सबको कहना है।

मित्रो, आज मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि सम्पूर्ण भारत में हमारे विचार का विस्तार होना है। आज कई बार इतिहास गवाह है, बड़े–बड़े विजयों ने एक विचित्र प्रकार की आलस्य का निर्माण किया है। भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता इस विजय से निर्मित आलस्य में न फंसें। विजय की भूख और बढ़नी चाहिए और उसी में से प्रचण्ड पुरुषार्थ करने की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए आज हम सब भुवनेश्वर कार्यकारिणी में कृतसंकल्प हों यही मेरा आप सबको कहना है।

मित्रो, पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक पूरे देश में एक लम्बे समय तक भारतीय जनता पार्टी का शासन हो तभी जाकर ये देश को हम फिर से एक बार स्वर्णमय यात्रा की दिशा में ले जा सकते हैं। मित्रो, हमारी सरकार के तीन साल मई में समाप्त होंगे। इसके कार्यक्रम भी बनने वाले हैं। कार्यक्रम आपके सामने आएंगे। अगर यह तीन साल का एक राजनीतिक विज्ञान के विद्यार्थी के रूप में विहंगमावलोकन करते हैं तब बड़ा आश्चर्य होता है। ये तीन साल की सरकार। तीन साल का मतलब है आधे टर्म की सरकार ने इतने सारे काम किए हैं कि वो एक–एक काम कोई सरकार अपने पूरे टर्म

के अंदर न कर पाए इतने काम किए हैं। मैंने एक 45-46 मुद्दे निकाले मैं बहुत जल्दी से आपके सामने पढ़ना चाहता हूं।

मित्रो, ये हर काम, एक–एक काम, ऐसा है जो करने में किसी सरकार को पूरा समय चला जाए, मगर मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार हर सप्ताह एक नयी योजना लेकर आयी है। उसे नीचे पहुंचाने का काम भी किया है। सबसे तेज गति से बनने वाली अर्थव्यवस्था आज हमारा देश बन गया है। वह निर्विवाद बात है। जीएसटी को पारित करके हम बहुत बड़े रिफॉर्म में आगे बढ़े हैं। 18 प्रतिशत प्रत्यक्ष और परोक्ष कर की वसूली में वृद्धि की है। नोटबंदी के कारण एक बहुत बड़ा परिवर्तन देश के अंदर एक समतामूलक समाज बनाने में हम लेकर आए हैं। कालेधन पर एक के बाद एक कदम की श्रृंखला से एक बड़ी मुहिम हमने छेड़ी है। 2000 रुपए से ज्यादा चंदा राजनीतिक दल नहीं ले सकते। आज भारतीय जनता पार्टी देश का सबसे बड़ा राजनीतिक दल होने के बावजूद भी हमारी सरकार ने हिम्मत की है कि 2000 रुपए से ज्यादा कैश चंदा कोई भी राजनीतिक दल नहीं ले सकता। विगत चुनाव के अंदर से काले धन का प्रभाव समाप्त करने के लिए इससे बड़ा कदम नहीं हो सकता।

आज भारतीय जनता पार्टी देश का सबसे बड़ा राजनीतिक दल होने के बावजूद भी हमारी सरकार ने हिम्मत की है कि 2000 रुपए से ज्यादा कैश चंदा कोई भी राजनीतिक दल नहीं ले सकता। विगत चुनाव के अंदर से काले धन का प्रभाव समाप्त करने के लिए इससे बड़ा कदम नहीं हो सकता।

बेनामी प्रॉपर्टी के लिए कानून लेकर हम आए हैं और कठोर से कठोर कानून बनाया है। संघीय ढांचे को मजबूत करने के लिए फाइनेंस कमीशन को शत–प्रतिशत स्वीकार करने का साहस नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से 2 करोड़ गरीब माताओं के घर में गैस का चूल्हा पहुंचाकर, उस घर को धुएं से मुक्त कराने का काम भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने किया है। जनधन योजना के तहत 28 हजार करोड़

गरीबों के घर में बैंक अकाउंट पहुंचाने का काम किया है। मुद्रा बैंक योजना के तहत 60.32 करोड़ लाभार्थियों को स्वरोजगारी को फाइनेंस करने का काम मोदी सरकार ने किया है। भीम एप आज सबसे लोकप्रिय एप बना है। डिजिटल ट्रांजेक्शन के लिए बहुत बड़ा कदम हमने उठाया है। श्रमिकों आदिवासियों और पिछड़ों के लिए ढेर सारी योजनाएं बनाकर उसका कठोर इंप्लीमिंटेशन करके दिखाया है। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में सड़क निर्माण के मामले में और बंदरगाहों के विकास के मामले में इस सरकार ने बहुत बड़ी छलांग लगाई है। दिव्यजन अधिकार विधेयक भी लाकर सरकार का एक संवेदनशील चेहरा हमने इस समाज के सामने रखा है। वन रैंक–वन पेंशन का काम जो 40 साल से अटका हुआ था उसको अंतिम अंजाम तक पहुंचाने का काम भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने करके देश की सुरक्षा के लिए अपनी जवानी खपाने वाले करोड़ों जवानों को बुढ़ापे में राहत देने का काम किया है। विदेश नीति आज हमारी देश की मॉडल के रूप में कई दुनिया की यूनिवर्सिटियों में पढ़ाई जाए, इस तरह से सफल विदेश नीति का भी क्रियान्वयन किया है। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से दुनिया के 170 से ज्यादा देशों ने योग को मान्यता देकर हमारी संस्कृति का परचम दुनिया भर में फहराने का काम मोदी सरकार ने किया है। पेरिस समझौते से पर्यावरण के माध्यम में भी भारत ने दुनिया का नेतृत्व करने का काम किया है। पेरिस समझौता आने वाले दिनों में जब जलवायु समझौते का इतिहास लिखा जाएगा, ग्लोबल वार्मिंग का इतिहास लिखा जाएगा तब एक लैंड मार्क के रूप में लोगों के सामने रहेगा। कोल ब्लॉक और स्पैक्ट्रम की नीलामी ट्रांस्पेरेंट तरीके से करके एक पारदर्शी एलोकेशन कैसे हो सकता है इसका हमने उदाहरण दिया है। आज सबसे

वन रैंक–वन पेंशन का काम जो 40 साल से अटका हुआ था उसको अंतिम अंजाम तक पहुंचाने का काम भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने करके देश की सुरक्षा के लिए अपनी जवानी खपाने वाले करोड़ों जवानों को बुढ़ापे में राहत देने का काम किया है।

बड़ी बात है मई में तीन साल समाप्त हो जाएंगे इस सरकार को। हमारे विरोधी भी भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा सकते। इस प्रकार की सरकार चलाने का काम प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हुआ है। फसल बीमा योजना के तहत बुआई से लेकर खलिहान तक किसान को सुरक्षित करने का काम हुआ है। स्वॉयल हेल्थ कार्ड को लाकर किसान की उपज को बढ़ाने के लिए बहुत बड़ा इनीशियेटिव लिया गया है। हजारों लेबॉरेटरियां नई बनाई गई हैं। करोड़ों कार्ड बांट दिए गए हैं। यूरिया की उपलब्धि को भी बढ़ाया है और यूरिया को नीम कोटेड करके और पैस्टीसाइड भी किसान की क्रॉप के अंदर डालने का काम हुआ है। दूसरी ओर इसकी काला बाजारी भी रोकी गई है। खाद के दामों को पहली बार बहुत समय के बाद, लगभग 35 साल के बाद, पहली बार खाद के दामों को कम करने का साहस नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। 18 हजार से ज्यादा गांवों में जहां 70 साल के बाद भी अंधेरा था, उसमें से 13 हजार गांवों में बिजली पहुंचाने का काम हमने सिर्फ दो साल के अंदर किया है। उदय के माध्यम से डिस्कॉम चलेंगे या बंद हो जाएंगे, उस बहस को हमने समाप्त कर दिया है। उदय के माध्यम से आज देश के 22 राज्य डिस्कॉम को बचाने की मुहिम में जुट चुके हैं। यह हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है। नॉर्थ–ईस्ट के साथ जो सौतेला व्यवहार भारत सरकार की ओर से होता था, नॉर्थ–ईस्ट के लिए इतने सारे इनीशियेटिव लिए गए हैं जिसको यहां बताना संभव नहीं है। मगर नॉर्थ–ईस्ट का एक–एक व्यक्ति इसको हृदय से स्वीकार करता है कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने नॉर्थ ईस्ट के लिए बहुत किया है। प्रसूति होनी वाली महिलाओं के अवकाश को 26 सप्ताह करके एक बहुत बड़ी संवेदना प्रसूता माताओं के लिए नरेन्द्र मोदी

18 हजार से ज्यादा गांवों में जहां 70 साल के बाद भी अंधेरा था, उसमें से 13 हजार गांवों में बिजली पहुंचाने का काम हमने सिर्फ दो साल के अंदर किया है। उदय के माध्यम से डिस्कॉम चलेंगे या बंद हो जाएंगे उस बहस को हमने समाप्त कर दिया है।

सरकार ने की है। स्किल इंडिया के माध्यम से देश के करोड़ों युवाओं को स्किल बनाकर उनको रोजगार मिले इसकी दिशा में आगे बढ़े हैं। 104 उपग्रह एक साथ छोड़कर अंतरिक्ष के क्षेत्र में आज भारत दुनिया का लीडर बनने के लिए तैयार है, इसका परिचय हमने दुनिया को दे दिया है। 31 मार्च के पहले बजट को समाप्त करके 1 अप्रैल से नए बजट के एकाउंट से ही खर्चा करने की एक नई शुरूआत प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हुई है।

रेल बजट को मुख्य बजट में ही शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। शत्रु सम्पत्ति बिल को वोट बैंक की चिंता किए बिना कठोरता के साथ दोनों सदनों में पारित कराकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक अनूठा उदाहरण रखा है। ओबीसी कमीशन जो पिछड़ा वर्ग आयोग है, उसको संवैधानिक मान्यता देकर देश के करोड़ों पिछड़े समाज के लोगों को सम्मानित करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। स्वच्छता, गंगा मिशन, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं के माध्यम से जनता का सहयोग लेकर सरकार कैसे आगे बढ़ सकती है। ऐसी समस्याएं जिसमें सरकार का कोई रोल नहीं है, उन समस्याओं का निपटारा भी जनसमर्थन से कैसे हो सकता है, ये दिखाने का काम भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने किया है।

रेल बजट को मुख्य बजट में ही शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। शत्रु सम्पत्ति बिल को वोट बैंक की चिंता किए बिना कठोरता के साथ दोनों सदनों में पारित कराकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने एक अनूठा उदाहरण रखा है।

मित्रो, विजय के बाद प्रधानमंत्री जी का केन्द्रीय कार्यालय में स्वागत था, उस वक्त उन्होंने नया मंत्र दिया है 'न्यू इंडिया' की कल्पना हम सबके सामने रखी है। भारत के करोड़ों युवाओं के माध्यम से एक न्यू इंडिया की कल्पना उन्होंने देश के सामने रखकर 2022 में जब भारत की आजादी के 75 वर्ष मनाया जायेगा तब भारत कैसा होगा इसके नए विचार की शुरूआत की है। यही बताता है कि हमारे नेतृत्व की दूरदर्शिता कितनी है।

पहले जो सरकारें चलती थीं वो जानी जाती थी पॉलिसी पैरालिसिस के लिए। आज हमने बड़े निर्णय लेने वाली सरकार का उदाहरण रखा है और इस सरकार ने नया सूत्र दिया है, फैसले लोगों को अच्छे लगें ऐसे नहीं लेने चाहिए। फैसले लोगों के लिए अच्छे हों ऐसे लेने चाहिए। ये नए सूत्र को नरेन्द्र मोदी जी ने सूत्रपात किया है।

मित्रो, अभी एनडीए की बैठक हुई थी। एनडीए की बैठक में हमारा जो एनडीए का परिवार है वो भी बढ़कर 31 पार्टियों तक पहुंचा है। नॉर्थ ईस्ट, केरल, तमिलनाडु जैसे प्रदेश जहां भारतीय जनता पार्टी का संगठन कम है। ऐसे क्षेत्र से भी बहुत सारी पार्टियां नॉर्थ–ईस्ट में जुड़ी हैं, केरल में जुड़ी हैं, तमिलनाडु में जुड़ी है और सबने मोदी जी के नेतृत्व में विश्वास करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था कि 2019 का चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ फिर से एक बार सरकार बनाने में सक्षम होगा।

केरल के अंदर, त्रिपुरा के अंदर और बंगाल के अंदर जिस प्रकार से हिंसा की राजनीति चली है, राष्ट्रीय कार्यकारिणी ये तीनों राज्यों में चल रही हिंसा की राजनीति के प्रति गंभीर चिंता व्यक्त करती है।

मित्रो, केरल के अंदर, त्रिपुरा के अंदर और बंगाल के अंदर जिस प्रकार से हिंसा की राजनीति चली है, राष्ट्रीय कार्यकारिणी ये तीनों राज्यों में चल रही हिंसा की राजनीति के प्रति गंभीर चिंता व्यक्त करती है। इसकी निंदा भी भारतीय जनता पार्टी करती है। केरल में जब से नई सरकार आई है, हर सप्ताह हमारे एक कार्यकर्ता पर हमला होता है और दुख की बात है मुख्यमंत्री के क्षेत्र के अंदर ये घटनाएं हो रही हैं। कम्युनिस्ट पार्टी को चिंता करनी चाहिए कि वो क्या संदेश देश देना चाहती हैं। दुनिया को क्या संदेश देना चाहती है। जनादेश मिलने के बाद अगर विपक्षी दलों पर जानलेवा हमले होंगे, उनकी हत्याएं होंगी तो लोकतंत्र की रक्षा कैसे हो पाएगी। त्रिपुरा और बंगाल में भी जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी और विचार परिवार के कार्यकर्ताओं पर हमले होते हैं, मैं इस कार्यकारिणी के माध्यम से इन

सभी राज्यों की सरकारों को स्पष्ट कहना चाहता हूं। अगर आप हिंसा के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को दबाने का प्रयास करोगे तो विफल होगे। भारतीय जनता पार्टी और उभरकर आगे बढ़ेगी। संघर्ष करने के लिए भारतीय जनता पार्टी तैयार है।

मित्रो, अभी दिल्ली में जो उपचुनाव हुआ उसमें 'आप' पार्टी की गैर जिम्मेदाराना राजनीति का भी पतन की शुरूआत हो गई। यह स्पष्ट संदेश दिल्ली के उपचुनाव में मिले हैं। शायद आजादी के बाद देश के सार्वजनिक जीवन में शुचिता का इससे बड़ा उल्लंघन कोई हो नहीं सकता ऐसी शुंगुलु कमेटी की रिपोर्ट आई है मित्रो। और मैं कहना चाहता हूं जो एमसीडी के भी चुनाव अभी चल रहे हैं, उसमें भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ऐड़ी–चोटी का जोर लगाकर विजय के लिए कृत संकल्पित हैं।

अगर आप हिंसा के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को दबाने का प्रयास करोगे तो विफल होगे। भारतीय जनता पार्टी और उभरकर आगे बढ़ेगी। संघर्ष करने के लिए भारतीय जनता पार्टी तैयार है।

मित्रो, यह वर्ष पं. दीनदयाल जन्मशताब्दी का वर्ष है। इस वर्ष में हम दीनदयाल जन्मशताब्दी मना रहे हैं। बहुत सारे कार्यक्रमों की कल्पना दीनदयाल जन्मशताब्दी के लिए हुई है, मगर उससे संगठन की अगर हम बात करें तो सबसे बड़ा कार्यक्रम पूर्ण समय के कार्यकर्ता निकालने का कार्यक्रम है। मुझे आप लोगों को बताते हुए हर्ष हो रहा है। आज सुबह संगठन के सभी कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री (संगठन) और राष्ट्रीय पदाधिकारी उसमें जो आंकड़े आए हैं वो हमें उत्साह देने वाले आंकड़े हैं। एक साल के लिए दीनदयाल जन्मशती में, एक साल का पूर्ण समय पार्टी के लिए देने वाले 2470 कार्यकर्ताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन किया है। इस जमाने में 2470 कार्यकर्ता एक साल तक पार्टी के विकास के लिए विस्तार के लिए कार्य करेंगे। छह माह काम करने के लिए 1441 कार्यकर्ताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है और 15 दिन के लिए काम करने के लिए 3 लाख 68 हजार 258 कार्यकर्ताओं ने अपना

रजिस्ट्रेशन कराया है।

मित्रो, 1049 वर्गों का आयोजन इनकी ट्रेनिंग के लिए हुआ है। पार्टी के हर क्षेत्र में कार्यालय की व्यवस्था, कार्यालय के अंदर लाईब्रेरी बनाना, कार्यालय के आधुनिकीकरण के लिए पार्टी का जो सदस्यता का डेटा है उसके डाक्यूमेंटेशन के लिए, पार्टी के इतिहास लेखन के लिए, हर काम के लिए कार्यकर्ताओं को लगाया जाएगा और मैं मानता हूं दीनदयाल जन्मशती में ये सारे कार्यकर्ताओं का काम अगर जोड़ देंगे तो बहुत अच्छा परिणाम आने वाले दिनों में आने वाला है। मेरा आप सबसे निवेदन है। इस सदन में जितने भी कार्यकर्ता राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य के नाते उपस्थित हैं, सभी ने 15 दिन कम से कम पार्टी के लिए, पार्टी की योजना में देना चाहिए।

मैं भी जाने वाला हूं। पांच राज्यों में 3–3 दिन जाने वाला हूं। लक्षद्वीप, तेलंगाना, ओडिशा, बंगाल और गुजरात में। मैं भी बूथ सेंटर पर जाकर रहकर पार्टी के विस्तार का काम करूंगा। अगर पार्टी का हर पदाधिकारी दीनदयाल जन्मशती की विस्तारक योजना को आगे ले जाए तो बहुत बड़ा फायदा हो सकता है।

हर काम के लिए कार्यकर्ताओं को लगाया जाएगा और मैं मानता हूं दीनदयाल जन्मशती में ये सारे कार्यकर्ताओं का काम अगर जोड़ देंगे तो बहुत अच्छा परिणाम आने वाले दिनों में आने वाला है।

मित्रो, भारत सरकार ने दीनदयाल जन्मशती के उत्सव मनाने के लिए एक कमेटी की रचना की है और उसको अधिकृत रूप से भारत सरकार मना रही है। मेरा आप सबसे निवेदन है जितना भी साहित्य है हमारा उस पर दीनदयाल जन्मशती का 'लोगो' निश्चित रूप से होना चाहिए। चाहे वह मुख्यमंत्री का हो या चाहे बूथ के कार्यकर्ता का हो। चाहे प्रदेश अध्यक्ष का हो। यह हमारा काम है। हमें इसको करना चाहिए और राज्य की सरकारों ने भी दीनदयाल जन्मशती के कार्यक्रमों के लिए रचना करनी चाहिए। दीनदयाल जन्मशती के समय के अंदर बहुत सारे कार्यक्रम की रूपरेखा यहां पार्टी की ओर से और भारत सरकार की ओर से भी भेजी जाएगी।

इसको करना चाहिए।

मित्रो, आज जब हम पांच राज्यों के चुनाव के बाद यहां मिले हैं, हमारी सरकार के तीन साल यहां समाप्त हो चुके हैं। उसके बाद आज पार्टी के संगठन के कार्यकर्ताओं ने मिलकर पूरे देश का मेरे दौरे का भी फैसला लिया है। मैं हर राज्य में तीन दिन रहने वाला हूं। 95 दिन का मेरा प्रवास सितम्बर तक चलेगा। उस प्रवास के अंदर संगठन की बारीक से बारीक चीजों को ठीक करने के लिए संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ रहकर काम करना है। मेरा यहां बैठे संगठन के सभी कार्यकर्ताओं को निवेदन है, इसकी तैयारी के लिए यहां से जो परिपत्र भेजा है उसको देखकर उसी दिशा में हम लोग आगे बढ़ें हैं और वह प्रवास का अधिकतम उपयोग संगठन को मजबूत करने के लिए हो इस दिशा में आगे बढ़ें। आने वाले दिनों में हिमाचल, गुजरात और कर्नाटक तीनों राज्यों में चुनाव आने वाले हैं। इलाहाबाद में हमने संकल्प लिया था, पांचों राज्यों में जीतेंगे। आज भुवनेश्वर में महाप्रभु जगन्नाथ की भूमि पर संकल्प करके जाएं फिर से जब यह चुनाव समाप्त करके मिले उस वक्त तीनों राज्यों में हिमाचल, गुजरात और कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनें। बहुत अच्छा माहौल है।

मैं हर राज्य में तीन दिन रहने वाला हूं। 95 दिन का मेरा प्रवास सितम्बर तक चलेगा। उस प्रवास के अंदर संगठन की बारीक से बारीक चीजों को ठीक करने के लिए संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ रहकर काम करना है।

मित्रो, ओडिशा की भूमि में दो दशक से यहां पर बीजेडी की सरकार चल रही है मगर आज जब ओडिशा के विकास के आंकड़े हम सब देख सकते हैं, मोदी जी के नेतृत्व में जहां–जहां एनडीए की सरकार चल रही है हर जगह पर हर गांव सड़क से जुड़ा है। हर गांव में अस्पताल की व्यवस्था हुई है। एम्बुलेंस से कनेक्टिविटी हुई है। बहुत सारे विकास के काम हुए हैं। मगर आज ओडिशा का विहंगमावलोकन करें तो सिर्फ 14 प्रतिशत लोगों तक ही शुद्ध पीने का पानी 2017 के साल में पहुंचा है। सिर्फ 22 प्रतिशत लोगों के घर में शौचालय है। 46 प्रतिशत से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के

जी रहे हैं और 41 प्रतिशत गांवों में आज भी बिजली अच्छी तरह से नहीं पहुंच पाई है। ओडिशा का विकास नहीं हो पाया है। यहां की हमारी भारतीय जनता पार्टी की टीम ने बूथ से लेकर प्रदेश तक 2015 से 2017 का एक कार्यक्रम बनाकर बहुत अच्छे तरह से संघर्ष किया है। जिस प्रकार के संघर्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता जाना जाता है, ओडिशा की टीम ने इस प्रकार का संघर्ष किया है। मैं ओडिशा के प्रदेश अध्यक्ष और ओडिशा के संगठन की सारी टीम और उसके चुने हुए नेतृत्व को पार्टी की ओर से बहुत–बहुत साधुवाद देता हूं। आपने बड़ा अच्छा संघर्ष किया है, और उसका परिणाम भी आया है। स्थानीय निकाय के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ओडिशा में अप्रत्याशित सफलता मिली है। आने वाले दिनों में मुझे विश्वास है ओडिशा भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार से युक्त होने वाला राज्य बनेगा।

स्थानीय निकाय के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ओडिशा में अप्रत्याशित सफलता मिली है। आने वाले दिनों में मुझे विश्वास है ओडिशा भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार से युक्त होने वाला राज्य बनेगा।

मित्रो, आज भारतीय जनता पार्टी सभी राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि से हमारा सर्वोच्च शायद उनको दिखाई पड़ता है। 11 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हम बने हैं। 13 मुख्यमंत्री हैं। 282 लोकसभा के सदस्य हैं। 54 राज्यसभा के सदस्य हैं। 1382 विधायक हमारी पार्टी के बनें हैं। एनडीए को मिला लीजिए तो 1789 विधायक बने हैं। 17 सरकारें हमारी एनडीए की हैं। 60 प्रतिशत जनता पर और देश के 70 प्रतिशत भू–भाग पर भारतीय जनता पार्टी और एनडीए का शासन है। मगर हमें हमेशा पार्टी का विकास और पार्टी का विस्तार दोनों को निरंतर उच्च स्थान पर रखने की जरूरत है। परिश्रम की पराकाष्ठा करने की जरूरत है।

मित्रो, नीचे से लेकर केरल, तेलंगाना, आंध्रा, तमिलनाडु, ओडिशा, बंगाल और नॉर्थ–ईस्ट ये सारे राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को पहुंचाना अभी बाकी है। 2014 से हमने यह काम शुरू किया है। काफी सफलता

मिली है, मगर संतोषजनक सफलता नहीं है। सफलता तभी मानी जाती है जब वह जनादेश में परिवर्तित हो। हमारा पुरुषार्थ जब जनादेश में परिवर्तित होता है तभी राजनीतिक सफलता मानी जाती है। मोदी जी के नेतृत्व में ये जो राज्य छूट गए हैं, उन राज्यों में भी आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी का संगठन पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी को चुनावी सफलता मिले, और पूरे देश के मानचित्र पर सब जगह कमल ही कमल दिखाई दे। इस प्रकार के स्वप्न की रचना करें। आने वाले दिनों में मोदी जी के नेतृत्व में फिर से एक बार आने वाले दिनों में कठोर परिश्रम का संकल्प करते हुए हम इस विजय के लिए ज्यादा जिम्मेदार हों और जनता के प्रति ज्यादा जवाबदेह होकर विनम्रता से इस विजय का जनादेश स्वीकार करें। जनता को विश्वास दिलाएं कि भारतीय जनता पार्टी मोदी जी के नेतृत्व में केवल और केवल भारत के विकास के लिए काम करेगी और भारत को एक बहुत ऊंचे स्थान पर विश्वगुरु के स्थान पर ले जाने में फिर से हम सफल होंगे। ये संकल्प आज की कार्यकारिणी में करके हम लोग यहां से जाएं। यही बात करके मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

भारत माता की जय।

❑❑❑

'विजय को स्थायित्व देना संगठन का दायित्व'

16 अप्रैल, 2017 (भुवनेश्वर) ओडिशा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी का समारोप भाषण

मंच पर उपस्थित परम आदरणीय देश के प्रधानमंत्री श्रीमान् नरेन्द्र भाई, श्रद्धेय आडवाणी जी, श्रीमान अरुण जी और आज के कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता भाइयों और बहनों।

आज महाप्रभु जगन्नाथ की भूमि पर ये जो हमारा दो दिन का राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सत्र चला। उसका समापन कुछ समय के बाद प्रधानमंत्री के समारोप भाषण के बाद हो जायेगा। मित्रो, भारतीय जनता पार्टी की जनसंघ से लेकर आज तक की राजनैतिक यात्रा के एक बहुत महत्वपूर्ण मोड़ पर यह कार्यकारिणी हो रही है। मैं महत्वपूर्ण मोड़ इसलिए कह रहा हूँ कि देश के इतिहास में पहली बार किसी गैर कांग्रेसी राजनैतिक दल को पूर्ण बहुमत मिला और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार

अस्तित्व में आई। उस सरकार का 3 साल का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है और उसी वक्त पांच राज्यों के चुनाव में एक ऐतिहासिक जनादेश हमें मिला है और उस जनादेश ने इस बात को पुष्ट कर दिया है कि 2014 की हमारी जो विजय थी वो यूपीए सरकार की ANTI – INCUMBENCY के लिए ही सिर्फ विजय नहीं थी। देश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी के प्रति अपनी आशाओं और श्रद्धाओं की अभिव्यक्ति के रूप में ये जनादेश दिया है यह इन पांच राज्यों के चुनावों ने सिद्ध कर दिया है और इसीलिए इस कार्यकारिणी का महत्व बहुत बढ़ जाता है। पांच राज्यों के चुनाव के बाद देश भर के राजनैतिक पंडित, भारतीय जनता पार्टी को, भारतीय जनता पार्टी की सरकार को और देश के प्रधानमंत्री जी को अलग दृष्टि से देखने लगे हैं।

देश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी के प्रति अपनी आशाओं और श्रद्धाओं की अभिव्यक्ति के रूप में ये जनादेश दिया है यह इन पांच राज्यों के चुनावों ने सिद्ध कर दिया है और इसीलिए इस कार्यकारिणी का महत्व बहुत बढ़ जाता है। पांच राज्यों के चुनाव के बाद देश भर के राजनैतिक पंडित, भारतीय जनता पार्टी को, भारतीय जनता पार्टी की सरकार को और देश के प्रधानमंत्री जी को अलग दृष्टि से देखने लगे हैं।

दुनिया भर के विवेचकों ने भी ये पांच राज्यों के चुनाव परिणाम का विश्लेषण अपने-अपने ढंग से किया है मगर सबने भारतीय जनता पार्टी की शक्ति को स्वीकार किया है और इस महत्वपूर्ण विजय के क्षण पर जब कई सारे कार्यकर्ताओं का मिलना होता है, विजय के बाद कार्यालय में भी बहुत लोग मिले, दिल्ली में भी आते जाते देश भर के कार्यकर्ता मिलते रहते हैं और कल की और आज की बैठकों में भी जो कार्यकर्ताओं से संपर्क आया, तो एक ओर तो विजय से उत्साह बढ़ता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, आगे के उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी दिखाई पड़ती है, मगर दूसरी ओर थोड़ी चिंता की भी निर्मिति होती है। कहीं न कहीं इस विजय से भारतीय जनता पार्टी के

कार्यकर्ताओं और नेताओं के मन में एक संतोष के भाव का झलक भी देखने को मिलता है। कई बार बहुत बड़ी विजय आगे के अभियान के लिए बाधक भी बनती हैं। क्योंकि विजय केवल उत्साह देते हैं, ये बात नहीं है। कई बार विजय काम की दृष्टि से एक आलस्य का भी निर्माण करते हैं। मैं आज इस कार्यकारिणी के समारोप के इस समय पर भारतीय जनता पार्टी की जो राष्ट्रीय टीम यहाँ पर, इस सदन में बैठी है, उन सभी को कहना चाहता हूँ कि ये विजय भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के मन में आलस्य का निर्माण न करे। ये विजय हमें और दृढ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दे और परिश्रम की पराकाष्ठा कर पूरे हिंदुस्तान भर में भारतीय जनता पार्टी की स्वीकृति को लाने के लिए आगे का रास्ता प्रशस्त करे। ये सब हम सबकी जिम्मेदारी है। क्योंकि नीचे का कार्यकर्ता वही भाव लेगा जो हम यहाँ से लेकर जायेंगे। इस विजय का एक ही अर्थ निकलता है कि हमारी जिम्मेदारी बढ़ी है। इस विजय का एक ही अर्थ निकलता है कि जनता हमसे बहुत सी अपेक्षाएं रखती हैं और इस विजय का एक ही अर्थ निकलता है कि भारत के किसी भी कोने में एक भी बूथ ऐसा न रह जाये जहाँ पर कमल का फूल खिला ना हो, जहाँ पर भारतीय जनता पार्टी का संगठन ना पहुंचा हो। इस प्रकार की भारतीय जनता पार्टी की निर्मिति ये विजय का अर्थ है।

इस विजय का एक ही अर्थ निकलता है कि जनता हमसे बहुत सी अपेक्षाएं रखती हैं और इस विजय का एक ही अर्थ निकलता है कि भारत के किसी भी कोने में एक भी बूथ ऐसा न रह जाये जहाँ पर कमल का फूल खिला ना हो।

मित्रो, मैं आप सबको बताना चाहता हूँ कि आज हमारे साथ विश्व का सबसे लोकप्रिय नेतृत्व हमारा नेतृत्व कर रहा है। नरेन्द्र भाई की लोकप्रियता, नरेन्द्र भाई की स्वीकृति न केवल देश की सीमाओं तक सीमित है, पूरी दुनिया आज नरेन्द्र भाई को एक अलग दृष्टिकोण से देख रही है। कहीं ना कहीं दुनिया की अनेक प्रकार की समस्याओं में आज दुनिया भारत की ओर देख रही है। क्योंकि मोदी जी ने भारत को इन 3 सालों में दुनिया के सामने

एक अच्छे तरीके से प्रस्थापित करने का प्रयास किया है। मित्रो, जब यह लोकप्रिय नेतृत्व हमारे पास है, जनता का विश्वास हम अर्जित कर सके हैं और इतनी बड़ी सफलता मिलती है तब हमारा दायित्व है कि ये जो हमारा विजय है, यह जो हमारी शक्ति है, यह जो हमारे नेतृत्व की लोकप्रियता है उसको स्थायित्व देने की हमारी जिम्मेदारी है। मैं 2014 के अगस्त से कह रहा हूँ कि विजय को उफान की तरह नहीं समझना चाहिए, इसको स्थायित्व देने का काम संगठन का है। इसीलिए मित्रो, कल जब प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री संगठन की बैठक हुई इसमें एक विस्तृत कार्य योजना बनाई है। दो साल से हम पार्टी के विस्तार के लिए कई सारे प्रकल्प, कई सारी चीज़ें लेकर आगे बढ़े हैं।

यही समय है कि भारतीय जनता पार्टी, मोदी जी की लोकप्रियता के कारण जो दिन-दूनी रात-चौगुनी आगे बढ़ रही है, उसको संगठनात्मक आधार देकर इसकी नींव मजबूती के साथ हिंदुस्तान के हर कोने में डाल देने की है।

नयी-नयी चीज़ों को हमने बूथ तक पहुँचाने का प्रयास किया है। मगर बहुत सारी चीज़ें जो सोची है, शुरू की है, वो कहीं न कहीं रास्ते में भी थकान उसको लग गयी है, ऐसा नज़र में आता है। इसलिए कल जब प्रदेश अध्यक्ष और महासचिवों के साथ बैठक थी, उसमें मैंने 30 मुद्दे निकाले हैं। ये तीसों मुद्दे मैं बताना नहीं चाहता मगर उन तीस मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अगले 4 महीने तक भारतीय जनता पार्टी के विस्तार को एक स्थिर आधार देने का प्रयास करेंगे। मित्रो, मैं मानता हूँ कि यही समय है कि भारतीय जनता पार्टी, मोदी जी की लोकप्रियता के कारण जो दिन-दूनी रात-चौगुनी आगे बढ़ रही है, उसको संगठनात्मक आधार देकर इसकी नींव मजबूती के साथ हिंदुस्तान के हर कोने में डाल देने की है। कई सारी बातें तय की हैं, मैं पूरा बताना नहीं चाहता मगर कोर ग्रुप की बैठक है, कार्यकारिणी की बैठक है, प्रकोष्ठों की रचना, चक्रीय प्रवास की व्यवस्था, सदस्यता की सूची का डॉक्यूमेंटेशन, विभाग और प्रकल्प की रचना, कार्यालय निर्माण, प्रकाशन, जिला स्तर

पर अकाउंट में पवित्रता, नरेन्द्र मोदी एप को घर-घर पहुँचाना, लाइब्रेरी, कार्यालय आधुनिकीकरण, भाजपा के इतिहास का संकलन, योग दिवस, पूर्णकालिक व्यवस्था, प्रशिक्षण, दीनदयाल जन्म शताब्दी के कार्यक्रम और 120 सीटें ऐसी हैं जहाँ पर हमें विजय प्राप्त नहीं हुई है वहां पर 2019 तक का एक माइक्रो मैनेजमेंट कर, एक रणनीति बनाकर उन सीटों में से ज्यादा से ज्यादा सीटें भारतीय जनता पार्टी 2019 के चुनाव में जीते।

इसलिए पूरी पूर्णकालिकों की व्यवस्था और पार्टी के संगठन को वहां बढाने की एक्सरसाइज जो चल रही है, उसको अंतिम स्वरूप देना और इसके साथ साथ हमने एक कार्यक्रम लिया था कि बूथ को जिन्दा रखना है। बूथ हमारे संगठन की सबसे छोटी इकाई है। उसको 1 साल में 6 कार्यक्रम करने हैं। 6 कार्यक्रमों का प्रारूप भी दे दिया है मगर मैं बड़े दुःख के साथ बताना चाहता हूँ मित्रो, इसके लिए बहुत कम प्रदेशों ने नीचे तक काम किया है। ये 6 के 6 कार्यक्रम हर बूथ में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को करने चाहिए। अगर बूथ को हम चुनाव के वक्त ही पुनर्जीवित करेंगे, चुनाव के वक्त ही याद करेंगे तो बूथ का कार्यकर्ता कभी भी भारतीय जनता पार्टी के काम के साथ एक रस नहीं होगा।

अगर बूथ को हम चुनाव के वक्त ही पुनर्जीवित करेंगे, चुनाव के वक्त ही याद करेंगे तो बूथ का कार्यकर्ता कभी भी भारतीय जनता पार्टी के काम के साथ एक रस नहीं होगा।

इस बूथ के 6 कार्यक्रमों को जो हमारा प्रकल्प है उसको यहाँ से जाने के बाद संगठन की जिम्मेदारी है और जो सांसद हैं ऐसे सभी कार्यकर्ताओं को नीचे तक अपने-अपने क्षेत्र में ले जाना है और इसी के लिए पार्टी ने मेरा 95 दिन का एक कार्यक्रम, देश भर का दौरे का कार्यक्रम बना है। हर प्रदेश में मैं 3 दिन और 2 दिन रुकने वाला हूँ, और ये सारी तीसों चीज़ों को बैठक कर मैं खुद गति देने का प्रयास करने वाला हूँ। उसके पहले भी 2-3 कार्यकर्ताओं की टीम अलग-अलग चीज़ों को लेकर घूमने वाली हैं और उसको ठीक से तैयारी कराकर बाद में मेरा दौरा होगा। अप्रैल अंत से

लेकर सितम्बर अंत तक का पूरा समय 95 दिन ये चार महीने में से मेरा प्रवास देश भर में होने वाला है।

मित्रो, मेरा आप सभी से निवेदन है कि मेरे प्रवास का समय आपके प्रान्त में आये उसके पहले ही आप इसकी ठीक से तैयारी कर के रखियेगा तो काम को और गति देने में सरलता रहेगी। ये बूथ को जो जीवित करना, इसे एक जीवंत इकाई बनाना है, उसके लिए एक बहुत अच्छा सुझाव मुझे किसी एक युवा कार्यकर्ता ने मेल पर भेजा है। उसने बताया है कि अध्यक्ष जी ये नरेन्द्र भाई की मन की बात का जो कार्यक्रम है, वो मन की बात का कार्यक्रम जनता में बहुत पॉपुलर हुआ है और समाज के हर हिस्से में इसकी अलग अलग प्रकार से स्वीकृति है। शहर होगा तो टीवी पर देखते हैं, गाँव है तो आकाशवाणी पर सुनते हैं, अन्य भाषा-भाषी प्रान्त हैं तो वो अपनी भाषा में सुनते हैं। अगर बूथ को हम एक सक्रिय इकाई बनाना चाहते हैं, एक जीवंत इकाई बनाना चाहते हैं तो पार्टी को एड़ी चोटी का जोड़ लगा कर, नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का कार्यक्रम हर बूथ पर 5,10,15,20 या 25 कार्यकर्ता किसी बस्ती में सार्वजनिक रूप से सुनने का कार्यक्रम बना लें तो वो बूथ हमेशा के लिए जीवंत बूथ हो जायेगा।

नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का कार्यक्रम हर बूथ पर 5,10,15,20 या 25 कार्यकर्ता किसी बस्ती में सार्वजनिक रूप से सुनने का कार्यक्रम बना लें तो वो बूथ हमेशा के लिए जीवंत बूथ हो जायेगा।

मित्रो, मैं चाहूँगा कि हर प्रदेश अध्यक्ष, हर प्रदेश का संगठन मंत्री, इस चीज़ को अपने प्रदेश में नीचे तक ले जाये। नीचे तक इसका ठीक से सुचारू रूप से एक क्रियान्वयन हो, इसकी एक मशीनरी और मानीटरिंग की व्यवस्था भी करिये।

मित्रो, बहुत सारी बात मोदी जी सरलता से कह देते हैं जो पार्टी को लोगों के साथ जोड़ती है, मोदी जी को लोगों के साथ जोड़ देती है। मैं मानता हूँ कि लोगों का और मोदी जी का जुड़ाव, लोगों का और पार्टी का जुड़ाव आने वाले समय में बहुत अच्छा फायदा देगा और उसके साथ-साथ हमारा बूथ

इकाई भी हमेशा के लिए जीवंत हो जायेगी। इस कार्यक्रम को सभी संगठन के लोग नीचे लेकर जाएँ, ऐसा मेरा आप सबसे विनम्र अनुरोध है।

120 सीटों के लिए जो तैयारी करनी है उसकी डिटेल प्लानिंग हो चुकी है। हर प्रदेश में कुछ न कुछ लोगों से इस सम्बन्ध में मेरी व्यक्तिगत चर्चा भी हुयी है। अब अप्रैल महीने से इस कार्यक्रम को हम संगठन के हवाले करेंगे और इसके साथ इसके मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी करेंगे। 120 सीट में से हर 5 सीट पर एक सीनियर मंत्री अथवा एक राष्ट्रीय पदाधिकारी की जिम्मेदारी तय की है और हर 30 पर एक कैबिनेट स्तर के मंत्री की या महासचिव की जिम्मेवारी तय की है और हर महीने मैं खुद इन सभी लोगों की बैठक करने वाला हूँ। 120 सीट का कार्यक्रम, एक समयबद्ध कार्यक्रम हमने बनाया है। ये 120 सीट अगर हम ठीक से भारतीय जनता पार्टी के लिए तैयार कर देते हैं, तो आने वाले दिनों में 2 तिहाई बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस देश में 2019 में हम चुनकर ला सकते हैं। सरकार ने काम अच्छा किया है, मगर संगठन का आधार जहाँ पर नहीं है वहां अगर संगठन का आधार अगर हम बना लेंगे तो मोदी जी की लोकप्रियता और सरकार के अच्छे काम का जो यश है उसको मत में परिवर्तित करने की मशीनरी हमें वहां पर उपलब्ध हो जाएगी। मैं मानता हूँ कि इसके लिए भी सभी कार्यकर्ताओं को भी एक साथ प्रयास करने की जरुरत है। आज हमारी जिम्मेदारी सिर्फ भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना, चुनाव जीतना, इतना ही नहीं है। हमारी जिम्मेदारी देश की राजनीति को परिवर्तित करने की भी है।

आज हमारी जिम्मेदारी सिर्फ भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना, चुनाव जीतना, इतना ही नहीं है। हमारी जिम्मेदारी देश की राजनीति को परिवर्तित करने की भी है।

1967 के बाद, वैसे देखा जाये तो 64 के बाद सतत इस देश की राजनीति का विनिपात होता हुआ, इस देश की जनता ने देखा है, सार्वजनिक जीवन की शुचिता का भी विनिपात होता हुआ इस देश की जनता ने देखा

है। भारतीय जनता पार्टी की ये जिम्मेदारी है कि न केवल हम चुनाव जीतें, न केवल एक प्रचंड संगठनात्मक ताकत की निर्मिति करें, पूरे देश की राजनीति को बदलने का माद्दा, साहस भारतीय जनता पार्टी में है। मैं स्पष्टता के साथ देख सकता हूँ।

मित्रो, अब समय आ गया है कि विचारधारा के आधार पर चलने वाली पार्टी कैसी होती है, इसका परिचय दुनिया को देना है। समय आ गया है, पार्टी का संगठन और आंतरिक लोकतंत्र का सामंजस्य कैसे बिठाते हुए पार्टी चला सकते हैं, वो दुनिया को दिखाने का समय आ गया है। गरीब कल्याण और देश के गौरव के साथ, देश के गौरव के लिए सरकारें किस तरह से काम करती है वो भी दिखाने का समय आ गया है। सार्वजनिक जीवन की शुचिता को भी ऊपर उठाने का एक भागीरथ प्रयास करने का समय आ गया है। अगर भारतीय जनता पार्टी इन चारों क्षेत्रों के अन्दर एक प्रचंड ताकत की निर्मिती करती है तो ना केवल भारतीय जनता पार्टी और हमारे करोड़ों कार्यकर्ता, देश भर की सभी राजनैतिक पार्टियां इसी रास्ते पर चलने के लिए विवश हो जाएँगी और देखते-देखते 8-10 साल में देश के राजनैतिक मानचित्र को बदलने में भारतीय जनता पार्टी को बहुत बड़ी सफलता मिलेगी।

अब समय आ गया है कि विचारधारा के आधार पर चलने वाली पार्टी कैसी होती है, इसका परिचय दुनिया को देना है। समय आ गया है, पार्टी का संगठन और आंतरिक लोकतंत्र का सामंजस्य कैसे बिठाते हुए पार्टी चला सकते हैं, वो दुनिया को दिखाने का समय आ गया है।

मित्रो, मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से आगे बढ़ रही है, देश की राजनीति को बदलने का लक्ष्य भी हमारे साथ में रहना चाहिए। एक ऐसी प्रचंड संगठन की ताकत का हम निर्मिति करें कि हमारे रास्ते पर चलने के लिए, उनकी सफलता के लिए ही सही मगर बाकी पार्टियाँ भी मजबूर हो जाएँ और देश की राजनति को एक नयी ऊंचाई देने में मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सफल हो। आने वाले दिनों

में जिस प्रकार से देश भर में भारतीय जनता पार्टी को स्वीकृति मिल रही है ये स्पष्ट दिखाई पड़ता है कि एनडीए के साथियों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारे साथ साथ एनडीए की भी ताकत बढ़ रही है। अभी-अभी एनडीए के 33 दलों की एक बैठक थी और वो 33 दलों की जो मीटिंग थी उसके अन्दर सभी ने मोदी जी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है और एक सुर में ये विश्वास व्यक्त किया है कि 2019 के अन्दर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दो तिहाई बहुमत के साथ फिर से एक बार एनडीए की सरकार बनेगी, भाजपा नेतृत्व वाली सरकार बनेगी।

मित्रो, मोदी जी जिस प्रकार से काम कर रहे हैं, आश्चर्यजनक काम कर रहे हैं। दुनियाभर में कई प्रधानमंत्री होंगे, देश में भी कई प्रधानमंत्री हुए हैं, नरेन्द्र भाई एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका प्रधानमंत्री बनने के बाद, 3 साल के अन्दर देश के 300 जिला सेंटर पर उनका कार्यक्रम हो चुका है। 3 साल के अन्दर 300 जिला सेंटर मतलब 1 साल में 100 जिलों को विजिट करना प्रधानमंत्री के नाते, ये बहुत बड़ी बात है। इससे हम सबको पुरुषार्थ करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और भारतीय जनता पार्टी को और भारतीय जनता पार्टी के काम के आधार पर देश को आगे बढ़ाने के लिए हम सबको संकल्पित हो कर इस महाप्रभु जगन्नाथ की भूमि से जाना चाहिए।

नरेन्द्र भाई एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका प्रधानमंत्री बनने के बाद, 3 साल के अन्दर देश के 300 जिला सेंटर पर उनका कार्यक्रम हो चुका है। 3 साल के अन्दर 300 जिला सेंटर मतलब 1 साल में 100 जिलों का विजिट करना प्रधानमंत्री के नाते, ये बहुत बड़ी बात है। इससे हम सबको पुरुषार्थ करने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

मित्रो कल की बैठक में बहुत डिटेल चर्चा संगठन के क्रियाकलापों के लिए हुई है। श्री रामलाल जी ने भी आज इसकी विस्तृत सूचनाएं भी दी है। मैं आशा करता हूँ कि यहाँ से जाने के बाद एक नयी ऊर्जा के साथ, एक नए उत्साह के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अपने-अपने प्रदेश में जायेंगे। सारे मुख्यमंत्री अपने-अपने प्रदेश में जायेंगे, सारे मंत्री अपने-अपने विभागों

के क्रियाकलापों को और उत्साह के साथ आगे बढ़ाएंगे और मोदी जी के नेतृत्व में हम भारत माता को फिर से एक बार विश्व गुरु के स्थान पर बैठाने में निश्चित सफल होंगे। इसी अभ्यर्थना के साथ आप सब को आने वाले बहुत अच्छे भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूँ।

।। वंदे मातरम् ।।

❑❑❑

हमारा दायित्व है कि हमारे संगठन को पूरे देश में, कश्मीर से कन्याकुमारी और कामरूप से लेकर कच्छ तक, पूरे देश में हर बूथ में स्वीकृत संगठन बनाएं और एक लंबे समय तक पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक विजय हासिल करने की रणनीति बनाएं। इस देश पर 35–40 साल तक कांग्रेस ने पंचायत से पार्लियामेंट तक शासन किया। मैं बताना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी को इतना समय मिल जाए हमारे पुरुषार्थ के कारण तो मेरे मन में कहीं भी संशय नहीं है कि भारत माता का चित्र पूरे देश में दैदीप्यमान सूर्य की तरह चमकेगा।

– अमित शाह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलय़जशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।

कोटि-कोटि कण्ठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम्।। 3।।

तुमि विद्या तुमि धर्म,
तुमि ह्रदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे,
बाहुते तुमि माँ शक्ति,
ह्रदय़े तुमि माँ भक्ति,
तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे। वन्दे मातरम्। ।4।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।। 5।।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।

आज मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि सम्पूर्ण भारत में हमारे विचार का विस्तार होना है। इतिहास गवाह है, कई बार बड़े–बड़े विजयों ने एक विचित्र प्रकार की आलस्य का निर्माण किया है। भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता इस विजय से निर्मित आलस्य में न फंसे। विजय की भूख और बढ़नी चाहिए और उसी में से प्रचण्ड पुरुषार्थ करने की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के लिए आज हम सब भुवनेश्वर कार्यकारिणी में कृत संकल्पित हों यही मेरा आप सबको कहना है।

– अमित शाह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारि
१५ - १६ अप्रैल, २०१७, भुवनेश्वर, ओडिशा
BJP NATIONAL EXECUTI
15th & 16th April, 2017, Bhubneshwa

भारतीय जनता पार्टी
11, अशोक रोड, नई दिल्ली, 110001
फोन : 011-23005700, फैक्स : 011-23005787